जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, सोमवार 26 सितम्बर, 2022

Kedia's
THE PALM
A RETREAT FOR THE ELITE

## Kedia's THE PALM

Near Rangoli Gardens, Vaishali Extension, Jaipur

## THE FIVE STAR LIVING

LAST
8 UNITS LEFT

FIXED PRICE

ALL INCLUSIVE PRICE

2 FREE PARKINGS WITH EACH FLAT

3BHK
63 LACS

4BHK
79 LACS

RATES INCREASING FROM 1st OCT.

POSSESSION SOON

KEDIA'S
Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS

## Kedia's CORPORATE CLUB

Sirsi Road, Vaishali Extension, Jaipur

सुकून की जगह

LAST FEW
UNITS LEFT

FIXED PRICE

1BHK
19 LACS

2BHK
32 LACS

3BHK
39 LACS

READY TO MOVE-IN APARTMENTS

LOAN: UPTO 90%

RATES INCREASING SOON

KEDIA
Transforming Realty

Toll Free: 1800-120-23-23 | 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2020/1274 | Rera No. RAJ/P/2017/178

*T&C Apply

## विचार बिन्दु

कर्मों की आवाज़ शब्दों से ऊंची होती है। –कहावत

# असहमति की अभिव्यक्ति और लोक व्यवहार की मर्यादा

सहमति-असहमति सदा से हमारे सोच का हिस्सा रही है। मनुष्य एक विचारशील प्राणी है और वह अपने सामने आने वाले बहुत सारे मुद्दों पर न केवल विचार करता है, उन विचारों को अभिव्यक्त भी करता है। लेकिन उस अभिव्यक्ति की टाइमिंग को लेकर पहले अधिक सोचने की ज़रूरत नहीं पड़ती थी। अब पड़ने लगी है। शायद इसका एक कारण यह भी है कि आज का समय सोशल मीडिया का है और हर किसी के पास अपनी बात कहने के अनेक माध्यम मौज़ूद हैं। लोग इन माध्यमों का उपयोग भी खूब करते हैं। इन माध्यमों के प्रचुर उपयोग की वजह से ऐसी अनेक बातें जो पहले बहुत छोटे समूहों तक सीमित रह जाया करती थीं, अब सार्वजनिक होकर बहुत बड़े समुदाय तक पहुंचने लगी है। ऐसा नहीं है कि पहले असहमतियां नहीं होती थीं। पहले भी लोग असहमत होते थे लेकिन तब कोई एक कहता था और कोई दूसरा उससे असहमत हो जाता था। बात दोनों तक सीमित रहती थी। अब कोई एक कुछ कहता है और फिर अन्य कुछ लोग उससे असहमत होते हैं तो उनका यह संवाद काफी बड़े समुदाय तक पहुंच जाता है और फिर जो लोग मूलत: उस संवाद में शामिल नहीं वे भी उनके उस संवाद के बीच कूद पड़ते हैं। इस तरह जो असहमति बहुत सीमित थी, वह न केवल व्यापक हो जाती है, उसमें काफी नमक-मिर्च भी लग जाता है।

हाल में हुई हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव की मृत्यु के कारण इन बातों की तरफ मेरा ध्यान गया। उन्होंने बहुत सामान्य पृष्ठभूमि से अपनी जीवन यात्रा प्रारम्भ की और जो काम वे करते थे उसमें बहुत ऊपर तक पहुंचे। उन्हें अपार लोकप्रियता प्राप्त थी और देश में व देश से बाहर भी उनकी कला के अनगिनत प्रशंसक थे। स्वाभाविक ही है कि उनकी मृत्यु के समाचार ने इन प्रशंसकों को व्यथित किया। अब होता यह है कि जब कोई व्यक्ति किसी भी कारण से सार्वजनिक क्षेत्र में होता है तो लोग अनेक तरह से उसका मूल्यांकन करते हैं। सबसे पहले तो कला की दुनिया ही इतनी विविधता भरी है और उसे देखने-सराहने की इतनी दृष्टियां हैं कि वहां मतैक्य सम्भव नहीं होता है। आप किसी भी कला रूप को ले लें, जितने उसके सराहने वाले मिलेंगे उतने ही उसे नापसंद करने वाले भी मिलेंगे। ऐसा लोकप्रिय कलाओं के मामले में होता है और शास्त्रीय कलाओं के मामले में भी। पारम्परिक कलाओं के साथ भी यही होता है और आधुनिक कलाओं के साथ भी। नापसंदगी तो इस हद तक होती है कि कुछ लोग उसे कला ही नहीं मानते हैं। ऐसा कोई कलाकार आपको ढूंढे से भी नहीं मिलेगा जिसे सब पसंद करते हों, या जिसे सब नापसंद करते हों। कलाओं की खूबसूरती भी यही है कि सब उन्हें अपने-अपने नज़रिये से देखते-आंकते हैं। ऐसे में यह कभी सम्भव नहीं हो सकता कि किसी कलाकार को सभी लोग पसंद करें।

इसमें और अनेक बातें जुड़ जाती हैं। जैसे कलाकार का वैचारिक पक्ष। किसी विचारधारा विशेष से उसका जुड़ाव। किसी राजनीतिक दल से उसकी संलग्नता। ऐसा पहले भी होता था, अब भी होता है। आखिर कलाकार भी एक इंसान है और उसे भी अपना पक्ष, अपना आदर्श, अपना ठीया चुनने का उतना ही अधिकार है जितना किसी भी और नागरिक को है। वैसे तो बहुत सारी कलाएं ऐसी हैं जिनमें आपकी राजनीतिक संलग्नता अभिव्यक्ति नहीं पाती है, या कम पाती है और उन कलाओं के कलाकारों के संदर्भ में उनकी कला के मूल्यांकन में उनकी वैचारिक निष्ठाओं को बीच में नहीं लाया जाना चाहिए, या बहुत कम लाया जाना चाहिए। अब यही देखिये कि एक पार्श्व गायक वह गाता है जो उसे गाने को दिया जाता है। उसके मूल्यांकन में उसकी राजनीतिक संलग्नता की अहमियत नहीं होनी चाहिए। तब तक नहीं होनी चाहिए जब तक कि वह अपने गानों का चयन राजनीतिक पक्षधरता के आधार पर न करता हो। उसका राजनीतिक मूल्यांकन उसके कला से इतर जीवन के संदर्भ में किया जा सकता है, और किया भी जाना चाहिए। वैसे तो आदर्श स्थिति यही होती है कि कला का मूल्यांकन कला के मानदण्डों के आधार पर किया जाए, लेकिन यह सदा सम्भव नहीं होता है। एक तो इसलिए सम्भव नहीं होता है कि कलाकार की वैचारिकता भी कहीं न कहीं उसके सृजन को प्रभावित करती है और इसलिए भी होता है कि जो उस कलाकार की कला का मूल्यांकन कर रहा है वह कला और विचार को अलग नहीं कर पाता है। बहुत बार कलाकार की कला में उसकी वैचारिकता इतने सूक्ष्म रूप से मौज़ूद होती है कि सामान्य कला-रसिक का तो उस पर ध्यान ही नहीं जाता है। लेकिन जिनका उस पर ध्यान जाता है वे अगर उस कोण से उस कला पर बात करते हैं तो उसे अनुचित नहीं कहा जा सकता है।

**किसी दिवंगत के प्रति अप्रिय बात कहने में जल्दबाज़ी नहीं करेंगे तो बेहतर होगा और उसके मूल्यांकन को लेकर उसके प्रशंसकों से विवाद में उलझना तो क़तई उचित नहीं है। जैसे आपको किसी को नापसंद करने का हक़ है वैसे ही किसी अन्य को उसे पसंद करने काभी तो हक़ है। उसके हक़ का सम्मान कीजिए और अपनी निजी स्पेस में अपनी राय व्यक्त कीजिए।**

इन सब बातों से इतर एक अन्य बात लोक व्यवहार की भी है और वर्तमान संदर्भ में वह बात विचारणीय भी है। राजू श्रीवास्तव के निधन पर उनके अनेक प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है। किसी ने केवल उनकी आत्मा को शांति मिले कहकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए तो किसी ने उनकी प्रशंसा में कुछ या बहुत कुछ कहकर उनके प्रति अपनी श्रद्धा निवेदित की। मुझे लगता है कि किसी भी दिवंगत के लिए शोक व्यक्त करना हमारी मानवीयता का भी परिचायक होता है और इसे इसी रूप में स्वीकार भी किया जाना चाहिए। लेकिन बहुत बार ऐसा भी होता है कि जो इस दुनिया को छोड़कर गया है उसे किसी भी या किन्हीं भी कारणों से हम पसंद नहीं करते हैं। ये कारण वैचारिक हो सकते हैं, राजनीतिक हो सकते हैं, वैयक्तिक हो सकते हैं, कुछ भी हो सकते हैं। तब हमें क्या करना चाहिए? इस पर अलग-अलग लोगों का सोच अलग-अलग हो सकता है। स्वाभाविक ही है कि मैं अपना सोच सामने रखूंगा।

मेरा सोच यह है कि जिसे हम किसी भी कारण से नापसंद करते हैं, उसके निधन के तुरंत बाद हमें उसके बारे में प्रतिकूल कुछ कहने से बचना चाहिए। इसे आप लोक व्यवहार भी कह सकते हैं और सामाजिक मर्यादा का निर्वाह भी। जिस दिन किसी ने देह त्याग किया, अगर उसी दिन उसका (अपनी नज़र से) सच्चा और खरा मूल्यांकन हमने नहीं कर दिया तो कोई आसमान नहीं गिर पड़ेगा। यह काम महीने दो महीने बाद भी किया जा सकता है। तब आपके मूल्यांकन को लोग भी अधिक सहृदयता से देखेंगे। इसी के साथ दूसरी बात भी। यह दूसरी बात सोशल मीडिया के संदर्भ में है। मुझे यह देखकर बहुत कष्ट होता है कि आजकल यह प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। मान लीजिए, किसी का निधन हुआ, और मैंने उसको अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उसके बारे में कुछ अच्छी बातें लिख कर पोस्ट कर दीं। आप उस व्यक्ति के प्रशंसक नहीं हैं। आप उसे पसंद नहीं करते, आप उसके आलोचक हैं। क्या आपको मेरी वॉल पर आकर मेरी श्रद्धांजलि का विरोध करते हुए उस दिवंगत के प्रति अपनी बेबाक टिप्पणी करनी चाहिए? मेरा स्पष्ट मत है कि ऐसा करना अनुचित और अवांछित है। अगर आप उसी समय उस व्यक्ति के बारे में कुछ अप्रिय बातें कहना चाहते हैं और अपनी इस इच्छा पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे हैं तो आप अपनी वॉल पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीजिए। मेरी वॉल पर आकर आपको यह करने का कोई अधिकार नहीं है। मेरी वॉल मेरी है, और भले ही वह वॉल एक सोशल मीडिया द्वारा प्रदत्त है, वह इतनी भी सार्वजनिक नहीं है कि हर कोई वहां आकर चाहे जो कह जाए। यहीं हमारी सामाजिक मर्यादा वाली बात आती है, कि सार्वजनिक की भी अपनी सीमाएं होती हैं और हमें उनका सम्मान करना चाहिए। आप यह कहकर कि यह एक सामाजिक माध्यम है, हर कहीं घुस जाएं, इसे उचित नहीं माना जा सकता। सामाजिकता भी निर्बाध और असीम नहीं होती है।

राजू श्रीवास्तव के संदर्भ में बहुत सारे लोग उनके हास्य की प्रकृति को लेकर, उनकी राजनीतिक संलग्नता को लेकर अनेक प्रकार की प्रतिकूल टिप्पणियां कर रहे हैं। प्रतिकूल या अनुकूल टिप्पणी करने का हरेक को हक़ है। यह भी सम्बद्ध व्यक्ति का अधिकार है कि ऐसा करने के लिए वह किस समय का चयन करता है: किसी की मृत्यु के तुरंत बाद में या कुछ ठहर कर। यह भी सही है कि जो चीज़ आज ग़लत है वह एक माह भी ग़लत ही रहेगी। तर्क के लिए यह भी कहा जा सकता है कि ग़लत को ग़लत कहने में कोई संकोच क्यों हो और इस कहने को स्थगित क्यों किया जाए! इस बात को लेकर बहस करने का भी कोई औचित्य नहीं है। मैं तो बस अपनी बात कह रहा हूं कि मुझे यह उपयुक्त लगता है कि किसी दिवंगत के प्रति अप्रिय बात कहने में जल्दबाज़ी नहीं करेंगे तो बेहतर होगा और उसके मूल्यांकन को लेकर उसके प्रशंसकों से विवाद में उलझना तो क़तई उचित नहीं है। जैसे आपको किसी को नापसंद करने का हक़ है वैसे ही किसी अन्य को उसे पसंद करने काभी तो हक़ है। उसके हक़ का सम्मान कीजिए और अपनी निजी स्पेस में अपनी राय व्यक्त कीजिए।

इस मुद्दे पर आप क्या सोचते हैं?

**–अतिथि सम्पादक,**
**डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल**
**( शिक्षाविद और साहित्यकार )**

# अन्तर्राष्ट्रीय क्रिस्टल शिल्पकार वकार हुसैन का नाम 21 सेंचुरी इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज

उदयपुर के अन्तर्राष्ट्रीय क्रिस्टल शिल्पकार वकार हुसैन ने क्रिस्टल पर पांच एम.एम. का विश्व का सबसे छोटा ताजमहल बनाकर अपना नाम 21 सेंचुरी इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज करवाया है। गुरुवार को राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा ने उन्हें इस अवॉर्ड से सम्मानित किया।

पन्नालाल मेघवाल

वकार हुसैन ने क्रिस्टल पर एक फीट से लेकर 25 फीट तक के विशाल झूमर एवं सरसों के दाने से लेकर तीन फीट तक की अनेक गणेश प्रतिमाएं बनाई हैं। उन्हें इससे पूर्व भी अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उन्हें जयपुर रत्न सम्मान समारोह सीजन-तीन राजस्थान समारोह पुरस्कार एवं तेलंगाना रॉयल सक्सेस इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन द्वारा महाराणा सज्जन सिंह अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें उदयपुर जिले के ब्रांड एंबेसडर अवॉर्ड से भी नवाजा गया है।

वकार हुसैन झाड़ फानूस (झूमर) बनाने के अन्तर्राष्ट्रीय शिल्पकार हैं। उन्होंने एक फीट के झूमर से लेकर 25 फीट तक के विशाल झूमर बनाए हैं। पहले वे एक से दो फीट के 30 से 40 किलो वजनी झूमर बनाते थे। अब 10 से 15 फीट के 7 से 8 क्विंटल वजन के झूमर बनाते हैं। वे झूमर को ऐसा एंटीक लुक देते हैं जैसा पुराने जमाने में राजा महाराजाओं के महलों के झाड़ फानूस में दिया जाता था।

उन्होंने 14 फीट लंबा एवं 8 फीट चौड़ा नायाब झूमर बनाया। इस झूमर में 80 शमादान लगाए गए। इन शमादानों में 125 बल्ब लगाए गए। जो मोमबत्ती जैसे जलते हुए दिखाई देते हैं। इस झूमर में सबसे नीचे लगी बॉस्केट 7 फीट की है और इसमें लगभग 4 लाख नग लगे हैं। झूमर का ढांचा स्टील एवं पीतल का बनाया गया। सबसे नीचे स्टील के घेरे में 36 शमादान लगाए गए। यह उनके जीवन का बेहतरीन झूमर बन पड़ा था।

वकार हुसैन ने अब तक देवी-देवताओं, ब्रह्मा, विष्णु, महेश, श्रीनाथजी, शनिदेव, नटराज, बाहुबली, महावीर स्वामी, झूलेलाल, स्वामी नारायण, जीसस क्राइस, मदर मेरी, गुरु नानक, एक ओमकार, कुर्सियां, मेज, बैलगाड़ी, पशु-पक्षी आदि एक से बढ़कर एक सुंदर कृतियां तैयार कर देश ही नहीं विदेश में भी नाम कमाया है।

उन्होंने अलग-अलग साइज के बेशकीमती एवं एंटीक छोटे- बड़े 5 हजार झूमर बनाए हैं। गणपति की सरसों के दाने से लेकर 3 फीट तक की 2500 मुद्राओं की प्रतिमाएं बनाई। उन्हें शत्रु विनाशक गणेश, लक्ष्मी रूपी सिद्धि विनायक, मूषक सवार गणपति, मूषक रथ पर विराजमान गणपति एवं गणपति की बारात प्रतिमाएं बनाने में विशेष महारत हांसिल है।

वकार हुसैन मुस्लिम होने के बावजूद गणेशजी एवं हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां बनाने में विशेष महारत प्राप्त हैं। वे सांप्रदायिक सद्भाव एवं गंगा जमुनी तहजीब के जबरदस्त हिमायती हैं। वकार हुसैन ने शिल्पांकन में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रतीक चिन्ह बनाकर सर्वधर्म समभाव का संदेश दिया। इससे प्रसन्न होकर भारत की तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, महान संत मुरारी बापू, संत तरुण सागर एवं श्रीजी अरविंद सिंह मेवाड ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है।

**पन्नालाल मेघवाल,**
**वरिष्ठ लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार**

# 10 फीट लंबे अजगर को रैस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

**देवली,** (निसं)। उपखंड क्षेत्र की पनवाड़ पंचायत क्षेत्र के सेंदियावास गांव में रविवार को एक 10 फीट लंबे अजगर का रैस्क्यू किया गया। जिसे स्नेक्स एक्सपोर्ट शादाब अख्तर रिजवी ने सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।

अजगर सांप को रैस्क्यू किया।

■ **अजगर ने नील गाय के बच्चे को बनाया था निवाला**

ग्रामीणों ने बताया कि यह अजगर रेगरान ढाणी के पास बने एनीकट के समीप खेतों में दिखा यहां ग्रामीण महिलाएं फसल काट रहीं थी तभी उन्हें यह अजगर दिखाई दिया। हालांकि इस दरमियान अजगर में हलचल काफी कम थी। इसकी सूचना देवली तहसीलदार तथा वनकर्मियों को दी गई। सूचना मिलने पर वनकर्मी केदार शर्मा मौके पर पहुंचे। वहीं स्नेक एक्सपर्ट शादाब अख्तर रिजवी ने भी वनकर्मियों का रैस्क्यू करने में सहयोग किया। सुरक्षित पकड़े जाने के बाद अजगर को जंगलों में छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि अजगर ने एक नील गाय के बच्चे को अपना निवाला बनाया हुआ था।

रैस्क्यू के दौरान नील गाय का बच्चा अजगर के पेट में ही था रैस्क्यू करते वक्त उसने मृत बच्चे को बाहर उगल दिया। इसके बाद वनकर्मियों ने स्नेक एक्सपर्ट रिजवी की सहायता से अजगर को बोरे में बंद कर सुरक्षित जंगलों में छोड़ दिया। इस मौके पर शादाब अख्तर रिजवी ने बताया कि उक्त अजगर साप इंडियन रॉक पाइथन प्रजाति का था लेकिन विशालकाय अजगर है। यहां अजगर को देखकर ग्रामीणों में कौतूहल का विषय बना रहा।

# डांग क्षेत्र में 'बक्सा बैंकों' ने 70 हजार से अधिक महिलाओं का जीवन बदला

**धौलपुर,** (निसं)। धौलपुर जिले के डांग इलाके का नाम आते ही भले ही आज भी लोगों के जहन में ऊंचे नीचे बीहड़, बागी, बजरी व बंदूक वाली पुरानी तस्वीर बनती हो। लेकिन असल बात ये है कि अब यहां भी समय व शिक्षा के प्रभाव से बहुत कुछ बदल चुका है।

इस बदलाव में मंजरी फाउंडेशन धौलपुर के निदेशक संजय शर्मा, अमित सिंह व संजय शर्मा की टीम एवं महिलाओं की कुछ कर गुजरने की इच्छाशक्ति का महत्वपूर्ण योगदान है। जिस कारण गरीब परिवारों की महिलाओं ने साहूकारों की ब्याज व तानाशाही एवं बैंक की कागजी खानापूर्ति से तंग आकर गांव व शहर में खुद के बक्सा बैंक बना लिए हैं। जिससे कर्ज के लिए महिलाएं अब ना तो साहूकारों के आगे हाथ फैलाती हैं और ना ही बैंक के चक्कर लगाती हैं।

बक्सा बैंक समूह की बैठक में भाग लेती महिलाएं।

धौलपुर जिले की महिलाओं ने समूह बनाकर वर्ष 2000 से बक्सा बैंक बनाना शुरू किया, आज जिलेभर में इन बख्शा बैंकों की संख्या करीब 5 हजार है। पूर्व में ज्यादातर गांव में लोगों को घर परिवार की जरूरत पूरी करने के लिए पैसों की जरूरत होती थी तो वे साहूकारों के यहां जमीन व गहने गिरवी रखकर अधिक ब्याज पर कर्ज लेते थे, उसके बाद भी साहूकार प्रताड़ित करते थे। वहीं बैंक अधिकारी लोन देने के लिए बैंक के चक्कर लगवाते थे। बक्सा बैंक में उन्हीं महिलाओं को लोन दिया जाता है जो समूह की सदस्य होती हैं। इसके लिए उन्हें न तो कोई कागजी कार्रवाई करनी पड़ती है और ना ही कुछ गिरवी रखना पड़ता है। उम्मीद महिला बचत समिति, रोशनी महिला बचत समिति, संतोषी महिला बचत समिति की महिलाओं ने बताया कि उनको जब भी पैसों की जरूरत होती है तो वह इस बक्शा बैंक से पैसे निकाल कर अपनी जरूरत पूरी कर लेती हैं। समिति की अध्यक्ष अंजुम ने बताया कि उसको अपनी बेटी की शादी करनी थी। बेटी की शादी के लिए उसको पैसों की जरूरत पड़ी तो उसने बक्सा बैंक से ही पैसे निकाल कर अपनी बेटी की शादी की। वहीं रोशनी महिला समिति की अध्यक्ष राजेंद्री ने बताया कि उसको भी अपने बेटा की शादी के लिए पैसों की जरूरत पड़ी तो उसने भी इसी बक्शा बैंक से पैसे निकाल कर बेटे की शादी की।

# गुरु जम्भेश्वर के सिद्धांत सृष्टि की समस्त सभ्यताओं का निचोड़ : उपराष्ट्रपति

**बीकानेर,** (कासं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने कहा कि गुरु जम्भेश्वर महाराज के 120 शब्द और 29 नियम सृष्टि की समस्त सभ्यताओं का निचोड़ हैं। उपराष्ट्रपति धनकड़ ने रविवार को नोखा के मुकाम में गुरु जम्भेश्वर के वार्षिक मेले के दौरान आयोजित धर्म सभा में यह उद्गार व्यक्त किए।

धनकड़ ने कहा कि मुकाम सही मायनों में पर्यावरण का 'मुकाम' है। मुकाम ने पूरी दुनिया को पर्यावरण के संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया को यह जानने की आवश्यकता है कि आज से 500 वर्ष पूर्व जब संसाधनों के दुरुपयोग की कल्पना नहीं की जा सकती थी, तब गुरु जम्भेश्वर ने ऐसे नियम दिए जो आज सर्वाधिक प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि गुरु जम्भेश्वर ने सदियों पूर्व पर्यावरण प्रदूषण के खतरे को भांप लिया और जन-जन को सचेत किया। असंयमित दिनचर्या के कारण हमें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में गुरु जम्भेश्वर के सिद्धांतों का अनुसरण करना चाहिए। उन्होंने इन सिद्धांतों को 'जीवन दान वाली दवा' बताया और जन कल्याण के मद्देनजर इनका व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आव्हान किया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ ने मुकाम में गुरु जम्भेश्वर महाराज के समाधि स्थल पर धोक लगाई।

इससे पूर्व उपराष्ट्रपति ने गुरु जम्भेश्वर के समाधि स्थल पर धोक लगाई। उन्होंने चौधरी भजन लाल की प्रतिमा का अनावरण किया। सभा स्थल पर बने मंच का अनावरण और पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण किया। धर्म सभा के दौरान उपराष्ट्रपति ने प्रतिभाओं का सम्मान किया।

कार्यक्रम में मुकाम पीठाधीश्वर रामानंदाचार्य महाराज, सच्चिदानंद महाराज, भगवान नाथ महाराज, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, श्रम राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई, एग्रो मार्केटिंग डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष रामेश्वर डूडी, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, नोखा विधायक बिहारी लाल बिश्नोई, फलोदी विधायक पब्बा राम विश्नोई, अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक कुलदीप बिश्नोई, राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूडानिया सहित जनप्रतिनिधि और देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए बिश्नोई समाज के हजारों लोग मौजूद रहे।

# अनाथ बच्चों की आर्थिक सहायता

**मालपुरा,** (निसं)। पचेवर थाना क्षेत्र के नगर गांव में 20 अगस्त 2022 को हुई एक हृदय विदारक घटना में पिता की हुई मौत व मां की हुई गिरफ्तारी के बाद अनाथ हुए 5 साल के राजीव व 8 साल की लक्ष्मी वर्मा की परवरिश व शिक्षा के साथ-साथ लालन-पालन के लिए मानव मित्र मंडल सेवा संस्थान ने रविवार को दोनों अनाथ भाई-बहन को 62262 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि के चैक दिये।

मानव मित्र मंडल सेवा संस्थान मालपुरा के नोरत मल वर्मा ने बताया कि अनाथ बच्चों की सेवा के लिए सेवानिवृत्त थानेदार प्रभुदयाल ठागरिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाल सहयोग के लिए हाथ बढ़ाने की अपील के बाद मानव मित्र मंडल के नोरत मल,रजनीश जैन,योगेश स्वामी ने नगर पहुंच वस्तु स्थिति की पड़ताल कर एक मुहिम चला आमजन से मदद की अपील करते हुए 62262 रूपये की सहायता राशि एकत्रित कर दोनों अनाथ भाई-बहन के नाम चैक बना रविवार को नगर पहुंच कर सरपंच प्रतिनिधि राजू सिंह सहित ग्रामीणों की उपस्थिति में बच्चों के संरक्षक बने प्रभुदयाल ठागरिया को सौंपी गई। संस्थान की इस मुहित व मदद के लिए सरपंच व ग्रामीणों ने आभार जताया। इस दौरान नरेन्द्र फुलवारिया, गोविन्द फुलवारिया, संजय पाराशर आदि मौजूद रहे।

## राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

### सोमवार 26 सितम्बर, 2022

आश्विनी मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2079, हस्त नक्षत्र मंगलवार प्रात: 6:18 तक, शुक्ल योग प्रात: 8:04 तक, किस्तुघ्न करण दिन 3:17 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-कन्या, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से रात्रि 3:09 तक है। आज अग्रसेन जयन्ती है और मातामह श्राद्ध है। आज से शारदीय नवरात्रा आरम्भ होंगे। घट स्थापना का शुभ मुर्हूत प्रात:काल में 6:21 से प्रात: 7:57 तक का समय श्रेष्ठ है और अभिजित मुर्हूत दिन 11:55 से 12:42 तक भी है और प्रात: 9:19 से 10:49 के मध्य शुभ चौघडिया में भी कर सकते हैं।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** अमृत सूर्योदय से 7:50 तक, शुभ 9:14 से 10:49 तक, चर 1:48 से 3:17 तक, लाभ-अमृत 3:17 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:16

**मेष**
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृष**
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

**मिथुन**
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

**कर्क**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

**सिंह**
आर्थिक/वित्तीय मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**कन्या**
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**तुला**
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। धार्मिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

**वृश्चिक**
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। धार्मिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है।

**धनु**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

**मकर**
धार्मिक/मांगलिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

**कुंभ**
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी हो सकती है। व्यक्तिगत खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

**मीन**
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 58 प्रभात अजमेर, सोमवार 26 सितम्बर, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

# अशोक गहलोत की जादूगरी का अंतिम पत्ता भी फेल हुआ

## सोनिया गांधी ने पर्यवेक्षकों को निर्देश दिये कि, वे सभी विधायकों से वन-टू-वन बात करें और उसके पश्चात ही दिल्ली लौटें

- इस्तीफा पॉलिटिक्स के बीच कांग्रेस आलाकमान सख्त हुआ।
- कांग्रेस आलाकमान बिल्कुल भी खुश नहीं है, क्योंकि बिना विधायक दल की बैठक हुए ही विधायकों ने जिस तरह से कांग्रेस आलाकमान को आंख दिखाने का प्रयास किया है, वह बिल्कुल भी सही नहीं माना जा सकता।
- कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कह दिया है कि, राजस्थान को लेकर प्रस्ताव आज रात ही पारित होना है, इसके लिए विधायकों से वन-टू-वन बातचीत की जाये।

जयपुर, 25 सितम्बर। राजस्थान में तेजी से बदलते घटनाक्रम तथा कांग्रेस विधायकों की इस्तीफे की पॉलिटिक्स हो रही है। दूसरी ओर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी के निवास से निकलकर शांति धारीवाल, प्रताप सिंह खाचरियावास, महेश जोशी और संयम लोढ़ा मुख्यमंत्री निवास पहुंचे हैं। जहां मौजूद प्रभारी अजय माकन और मल्लिकार्जुन खडगे के अलावा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट भी मौजूद है।

इस बीच खबर यह है कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कह दिया है कि राजस्थान को लेकर प्रस्ताव आज ही पारित होना है और इसके लिए विधायकों से वन टू वन बातचीत की जाए। ऐसे में अब मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन रात को ही विधायकों से चर्चा कर सकते हैं, ताकि सभी की राय सामने आ सके। इसके बाद में दोनों नेता कांग्रेस आलाकमान यानी कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को यह बात बताएंगे और फिर जो भी फैसला होगा,वह निकल कर सामने आएगा।

दूसरी ओर जिस तरह से घटनाक्रम राजस्थान में हुआ है उसे लेकर बताया जा रहा है कि कांग्रेस आलाकमान बिल्कुल भी खुश नहीं है, क्योंकि बिना विधायक दल की बैठक हुए ही विधायकों ने जिस तरह से कांग्रेस आलाकमान को आंख दिखाने का प्रयास किया है, वह बिल्कुल भी सही नहीं माना जा सकता।

राहुल गांधी भी इस मामले को लेकर भारत जोड़ो यात्रा में चलते हुए पल-पल की अपडेट ले रहे हैं। यही कारण है कि एक बार जहां पर्यवेक्षक मलिकर्जुन खड़गे और प्रभारी अजय माकन को दिल्ली पहुंचने के लिए कहा गया था, वहीं अब उन्हें जयपुर में रहकर विधायकों के साथ बात करके उनकी राय जानने के लिए कहा है। इधर देखना यह भी है की इस पूरे घटनाक्रम के बाद क्या आलाकमान अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए आगे बढ़ाएगा। वही क्या अब इस पूरे घटनाक्रम के बाद में राजस्थान विधायक दल के नेता का फैसला आसानी से हो पाएगा, या फिर कोई

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## भगत सिंह

नई दिल्ली, 25 सितंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने की आज घोषणा की।

मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 93 वीं कड़ी में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारे पास 28 सितम्बर को सेलिब्रेट करने की एक और वजह भी है। उन्होंने कहा जानते हैं क्या है ! मैं सिर्फ दो शब्द कहूँगा लेकिन मुझे पता है, आपका जोश चार गुना ज्यादा बढ़

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने की घोषणा की।

जाएगा। ये दो शब्द हैं- सर्जिकल स्ट्राइक। बढ़ गया ना जोश ! हमारे देश में अमृत महोत्सव का जो अभियान चल रहा है उन्हें हम पूरे मनोयोग से सेलिब्रेट करें, अपनी खुशियों को सबके साथ साझा करें।

मोदी ने कहा कि आज से तीन दिन बाद 28 सितम्बर को अमृत महोत्सव का एक विशेष दिन आ रहा है। इस दिन भारत माँ के वीर सपूत भगत सिंह की जयंती है। भगत सिंह की जयंती के ठीक पहले उन्हें श्रद्धांजलि स्वरुप एक महत्वपूर्ण निर्णय किया गया है। यह तय किया है कि चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम अब शहीद भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। इसकी लम्बे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी।

उन्होंने कहा मैं चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा और देश के सभी लोगों को इस निर्णय की बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने स्वतंत्रता

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# कांग्रेस आलाकमान को सीधे चुनौती, या तो हमारी बात सुनो या इस्तीफे मंजूर करो

## अशोक गहलोत समर्थक विधायकों ने विधायक दल की बैठक का किया बहिष्कार, धारीवाल के घर बैठक करके इस्तीफा देने पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष के घर

- क्या चुनौती देने वालों पर कार्यवाही होगी या फिर आलाकमान झुकेगा।
- यह घटनाक्रम क्या मध्यावधि चुनाव की ओर जा सकता है।
- कुछ विधायकों के इस्तीफे भी सामने आये हैं, लेकिन अभी यह पुष्टी नहीं हो पायी है कि, उनमें से कितने इस्तीफों पर हस्ताक्षर हैं अथवा नहीं।
- गहलोत और पायलट भी दिल्ली तलब किये गये।

जयपुर, 25 सितम्बर। राजस्थान से कांग्रेस आलाकमान को सीधी चुनौती मिल गई है और अशोक गहलोत समर्थक विधायकों ने आलाकमान के फैसले से पहले ही इस्तीफे की धमकी पर अमल शुरू करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी के निवास पर पहुंचना शुरू कर दिया है। अब देखना यह है कि कांग्रेस आलाकमान इस धमकी से कैसे नहीं निपटता है, क्योंकि यदि कांग्रेस आलाकमान विधायकों की इस धमकी के आगे झुक जाता है,तो फिर राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इस बीच कांग्रेस विधायक दल की बैठक रद्द कर दी गई और प्रभारी अजय माकन तथा मल्लिकार्जुन खड़गे को वापस दिल्ली बुला लिया गया है। इसी के साथ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट को भी दिल्ली बुलाया गया है।

अब देखना यह भी है कि इस बगावत या चुनौती को कांग्रेस आलाकमान किस रूप में देखता है। क्या इसके पीछे नेतृत्व करने वाले नेताओं पर आलाकमान कार्यवाही करता है या फिर झुकता है। यदि कांग्रेस आलाकमान कार्यवाही करता है,तो यह संदेश जाएगा कि पार्टी आलाकमान किसी भी तरह की चुनौती को स्वीकार नहीं करेगा। यदि इस कार्यवाही को देखते हुए आलाकमान झुकता है और इन विधायकों की धमकी के अनुरूप फैसला करता है,तो संदेश जाएगा कि वास्तव में जो कहा जा रहा था कि कांग्रेस आलाकमान कमजोर है, उस बात पर भी मुहर लग जाएगी। दूसरी और अंदेशा जताया जा रहा है कि जिस तरह से अशोक गहलोत खेमे की ओर से इस्तीफा देकर दबाव की राजनीति पर काम किया जा रहा है। इसी तरह से दूसरा खेमा भी इसी तरह की कार्यवाही कर सकता है, यदि उनके हिसाब से फैसला नहीं हुआ। ऐसे में राजस्थान में इस्तीफा की इन धमकियों के बीच मध्यावधि चुनाव की स्थिति भी बन सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद भाजपा को भी कांग्रेस आलाकमान और राहुल गांधी पर उंगली उठाने का मौका मिल जाएगा, क्योंकि एक और तो राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं। दूसरी ओर कांग्रेस आलाकमान के निर्देश पर बुलाई गई कांग्रेस विधायक दल की बैठक से अलग बैठक करके विधायक सीधे इस्तीफे की धमकी देते हैं और उसके बाद में वे उस पर अमल करते हुए विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी के निवास पर पहुंच जाते हैं।

दरअसल पिछले पांच दिन से यह घटनाक्रम शुरू हो चुका था, जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दिल्ली पहुंचे थे और उसके बाद वे कोच्चि में राहुल गांधी से मिलने पहुंचे थे। उस दौरान ही संकेत मिल गए थे, जब वे सोनिया गांधी से मिलकर वापस आए थे। बताया जाता है कि सोनिया गांधी से मिलने के बाद वे कोच्चि पहुंचे थे और कोच्चि में उन्हें संदेश मिल गया था कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद में कांग्रेस अध्यक्ष पद का नामांकन दाखिल करेंगे। साथ ही यह संकेत भी मिलने लगे थे कि कांग्रेस हाईकमान की ओर से हरी झंडी मिल चुकी थी कि अशोक गहलोत के इस्तीफे के बाद कांग्रेस विधायक दल का अगला नेता कौन होगा। ऐसे में तभी से दोनों और रणनीति बनने लगी थी और इसी के अनुरूप कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी। तभी नए घटनाक्रम के तहत मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर फोन करके मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समर्थक मंत्री - विधायको को बुलाया गया। मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर करीब 3 घंटे तक विधायकों की बैठक के बाद में कहा जा रहा था कि सभी विधायक एक बस में बैठकर विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री निवास जाएंगे।

विधायक दल की बैठक शुरू होती, इससे पहले ही कई बार बैठक का समय बदलता रहा। इस बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी महासचिव अजय माकन तथा पर्यवेक्षक बनाए गए वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खडगे से मिलने होटल पहुंचते हैं और एक संक्षिप्त बैठक के बाद में अशोक गहलोत सरकारी निवास सिविल लाइन पहुंचते हैं। उसके बाद में सचिन पायलट तथा उनके साथ अन्य विधायक भी मुख्यमंत्री निवास पर विधायक दल की बैठक के लिए पहुंचते हैं। कुछ विधायकों के इस्तीफे भी सामने आये हैं, लेकिन अभी यह पुष्टी नहीं हो पायी है कि, उनमें से कितने इस्तीफों पर हस्ताक्षर हैं अथवा नहीं।

वहीं दूसरी ओर शांति धारीवाल के निवास पर बैठक के बाद में लगभग 70 विधायक सीधे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी के सरकारी निवास पर पहुंचते हैं।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## जबरन धर्म परिवर्तन

हुबली, 25 सितंबर (वार्ता)। कर्नाटक विधानसभा में धर्मांतरण विरोधी विधेयक पारित होने के कुछ दिनों बाद राज्य के हुबली में एक दलित व्यक्ति के जबरिया धर्मांतरण का मामला सामने आया है और पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि मांड्या निवासी श्रीधर गंगाधर को कथित तौर पर जबरन इस्लाम धर्म में

- हुबली (कर्नाटक) में एक दलित व्यक्ति के जबरन इस्लाम में धर्मांतरण का मामला सामने आया है और पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

शामिल कर उसका खतना करने और बीफ खाने के लिए मजबूर किया गया। पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, लेकिन अभी इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

उन्होंने बताया कि आरोपियों को

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# ओमप्रकाश चौटाला की रैली में थर्ड फ्रंट की झलक दिखी

## नीतीश, शरद पवार, येचुरी, सुखबीर सिंह बादल सहित कई प्रमुख नेता फतेहाबाद में एक मंच पर नज़र आए

- रैली में एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा, किसानों ने एक साल तक दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन सरकार ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाया। किसानों से वादा किया गया था कि, मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) मुहैया कराई जायेगी, लेकिन दिया नहीं गया।
- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, पिछले चुनावों के दौरान, वे (भाजपा) हमारे उम्मीदवारों को हराने की कोशिश कर रहे थे। केंद्र ने पिछड़े राज्य के लिए जो वादा किया था, उसे पूरा नहीं किया। बिहार में आज 7 पार्टियां एक साथ काम कर रही हैं।

फतेहाबाद, 25 सितम्बर। इंडियन नैशनल लोक दल (आई.एन.एल.डी.) की रविवार को फतेहाबाद एक बड़ी रैली आयोजित हुई। यह रैली लोकसभा चुनाव 2024 के मायने में अहम है। क्योंकि इसे गैर कांग्रेस थर्ड फ्रंट के नजरिये से देखा जा रहा है। इस पर एक ही मंच पर नेता लामबंद नजर आए। 11 राज्यों के वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं ने हिस्सा लिया। इस रैली में शामिल होने के लिए एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार, जेडीयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आर.जे.डी. नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, (शिरोमणी अकाली दल (एस.ए.डी.) के सुखबीर सिंह बादल और सी.पी.एम. के सीताराम येचुरी, इण्डियन नैशनल कांग्रेस के ओ.पी. चौटाला एक ही मंच पर नजर आए। सभी नेताओं ने एक स्वर में वर्तमान भाजपा सरकार की कड़े शब्दों में निंदा की।

एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा, किसानों ने एक साल तक दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन किया लेकिन सरकार ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई कदम नहीं उठाया। किसानों से वादा किया गया था कि मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एम.एस.पी.) मुहैया कराया जाएगा लेकिन दिया नहीं गया। सरकार ने किसानों के खिलाफ दर्ज मामले वापस

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# गहलोत ने कहा - अगला सी.एम. वो नेता हो जो सरकार रिपीट करा सके

## दूसरी ओर धारीवाल के निवास पर गहलोत समर्थक विधायकों की बैठक और धमकी - उनकी बात नहीं मानी तो सरकार गिर सकती है

- 50 से ज्यादा विधायक पहुंचे धारीवाल के निवास पर, अधिकांश ने आलाकमान के साथ होने की बात कही।
- दूसरी ओर गहलोत खेमा छोड़ चुके राजेंद्र गुढ़ा का बयान, धारीवाल के निवास पर 101 विधायक नहीं है, ऐसे में क्या सरकार अल्पमत में नहीं आ गई।
- मीडिया में कुछ विधायकों के इस्तीफे की चर्चायें चल रही हैं, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी की ओर से इस बारे में कोई बयान सामने नहीं आया है।

जयपुर, 26 (का.सं.) । कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले इस्तीफे की तैयारी के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार की दोपहर जैसलमेर में कहा कि अगला सी.एम. वो नेता हो जो प्रदेश में सरकार रिपीट करा सके। गहलोत ने कहा कि सी.एम. के चयन के लिए विधायक दल की बैठक बुलाना और हाईकमान पर फैसला छोड़ने की परंपरा रही है। यही कांग्रेस की ताकत रही है। मैं कई पदों पर रह चुका हूं, अब नई पीढ़ी को चांस मिलना चाहिए। दूसरी ओर गहलोत के इस बयान के बाद विधायक दल की बैठक से पहले मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर ना सिर्फ गहलोत समर्थक मंत्री विधायकों की बैठक बुलाई गई बल्कि गहलोत समर्थक निर्दलीय संयम लोढ़ा की ओर से उनकी बात नहीं सुनी जाने पर सरकार गिरने तक की धमकियां दी गई।

इस बीच विधायक दल की बैठक से पहले राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन और राजस्थान के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए वरिष्ठ नेता मलिकर्जुन खड़गे जयपुर पहुंच गए। बताया जाता है कि दोनों नेता पार्टी आलाकमान का संदेश विधायक दल की बैठक में सबके सामने रखेंगे। उसके बाद में विधायक दल के नए नेता के चुनाव के लिए एक लाइन का प्रस्ताव आलाकमान के नाम पारित करके दे दिया जाएगा।

इधर धारीवाल के निवास पर हो रही बैठक को लेकर चर्चा है कि एक ओर तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आलाकमान के विश्वस्त होने का हवाला देते हुए तथा वफादारी दिखाते हुए बयान दे रहे हैं। दूसरी ओर उनके नजदीकी विधायक और मंत्री आलाकमान को आंखें दिखाने की बात कर रहे हैं। हालांकि पहले की बनी स्थितियों के विपरीत इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ रहे 102 विधायकों में से कई विधायकों ने उनका साथ छोड़ दिया है। जिनमें प्रमुख रूप से राजेंद्र गुढ़ा, खिलाड़ी लाल बैरवा, गिर्राज सिंह मलिंगा, वीरेंद्र सिंह सहित अन्य विधायक शामिल है। ऐसे में बात की जाए तो बहुमत का आंकड़ा मुख्यमंत्री खेमे के पास भी नहीं बचा है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

## भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) का कार्डधारकों को अपने कार्ड्स का टोकनाइज़ेशन कराने हेतु प्रोत्साहन

कार्डधारकों के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, आरबीआई ने आदेश दिया है कि 1 अक्तूबर 2022 से कार्ड नेटवर्क्स तथा कार्ड जारीकर्ताओं को छोड़कर, कोई दूसरी इकाइयां कार्ड डेटा जैसे कि कार्ड नंबर, कार्ड की एक्सपायरी की तिथि आदि (कार्ड-ऑन-फाइल या CoF) को स्टोर नहीं कर सकती हैं। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कार्डधारकों को कोई असुविधा न हो, आरबीआई ने CoF टोकनाइज़ेशन पेश किया है। टोकनाइज़ेशन इसलिए किया जाता है ताकि कार्डधारक को प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर कार्ड के विवरण न भरने पड़ें, साथ ही, मर्चेन्ट कार्ड के विवरण को स्टोर या उनका इस्तेमाल न कर सके, जिसके फलस्वरूप कार्ड के विवरणों के खोने की संभावना तथा उससे जुड़े दुरुपयोग से बचा जा सकता है। टोकन का इस्तेमाल कार्ड ट्रांजेक्शन्स की सुरक्षा और सुविधा को बढ़ाता है तथा यह कार्डधारकों के हित में है।

### टोकनाइज़ेशन या कार्ड-ऑन-फाइल (CoF) टोकनाइज़ेशन क्या है?

1. टोकनाइज़ेशन (या CoF टोकनाइज़ेशन) कभी भी अपनी सुविधा के अनुसार किया जा सकता है।
2. टोकनाइज़ेशन डेबिट या क्रेडिट कार्ड के विवरण को एक अनोखे वैकल्पिक कोड, जिसे **"टोकन"** कहते हैं, से बदलने की प्रक्रिया है।
3. टोकनाइज़ेशन केवल ऑनलाइन/ई-कॉमर्स ट्रांजेक्शन्स के लिए विनिर्धारित किया गया है और यह आमने-सामने या पॉइन्ट ऑफ सेल (POS) ट्रांजेक्शन्स के लिए नहीं है।
4. टोकनाइज़ेशन प्रत्येक कार्ड के लिए ऑनलाइन/ई-कॉमर्स मर्चेन्ट के यहां केवल एक बार ही करने की ज़रूरत है। कार्ड विशेष तथा ऑनलाइन/ई-कॉमर्स मर्चेन्ट विशेष के लिए प्रत्येक टोकन अलग होता है। कार्डधारक किसी कार्ड का अनगिनत ऑनलाइन/ ई-कॉमर्स मर्चेन्ट्स के साथ टोकनाइज़ेशन करा सकता है।
5. किसी टोकन का इस्तेमाल उसी मर्चेन्ट को भुगतान करने के लिए किया जा सकता है, जिसके लिए उसे बनाया गया हो, न कि किसी और मर्चेन्ट को भुगतान करने के लिए।
6. एक बार टोकन बनाने के बाद, कार्डधारक को भविष्य के ट्रांजेक्शन्स के लिए टोकन का विवरण एंटर करने या याद रखने की जरूरत नहीं। टोकनाइज़्ड कार्ड की पहचान के लिए, चेकआउट प्रक्रिया के दौरान कार्ड के अंतिम चार अंकों को डिस्प्ले/प्रदर्शित किया जाएगा।
7. कार्डधारक अपनी इच्छानुसार अपने टोकन्स के रजिस्ट्रेशन को समाप्त भी कर सकते हैं।

### किसी कार्ड का टोकनाइज़ेशन कैसे करें?

1. टोकनाइज़ेशन का विकल्प चुनने के लिए कार्डधारक को मर्चेन्ट वेबसाइट एप्लिकेशन पर वन-टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा।
2. रजिस्टर करने के लिए कार्डधारक को अपने कार्ड का विवरण भरना होगा तथा सहमति देनी होगी। कार्ड जारीकर्ता प्रमाणीकरण के अतिरिक्त घटक जैसे कि OTP के ज़रिए इस सहमति को मान्य करेगा।

**कार्डधारकों को एक सुरक्षित, संरक्षित, बाधारहित तथा सुविधाजनक अनुभव पाने के लिए अपने कार्ड्स का टोकनाइज़ेशन कराने की सलाह दी जाती है।**

*इस परामर्शिका (एडवाइज़री) को आरबीआई द्वारा केवल सूचनार्थ तथा सामान्य मार्गदर्शन के लिए जारी किया गया है। किसी स्पष्टीकरण या व्याख्या के लिए, आरबीआई द्वारा जारी संबंधित परिपत्रों तथा अधिसूचनाओं की मदद ली जा सकती है।*

# आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के गले की फांस बना घटिया पोषाहार

## बच्चे और गर्भवती महिलाएं भी पोषाहार से कन्नी काट रहे हैं

**मांडलगढ़,** (निसं)। मांडलगढ़ क्षेत्र के आंगनबाडी केंद्रों पर बच्चों व गर्भवती महिलाओं की सेहत सुधारने के लिए दिए जाने वाले पोषाहार की गुणवत्ता पर कई सवाल उठ रहे हैं। संवेदक द्वारा आपूर्ति किये जा रहे पोषाहार की क्वालिटी घटिया होने का मामला सामने आया है। सरकारी स्तर पर पोषाहार संवेदक द्वारा प्लास्टिक की थैलियों में पैकिंग पोषाहार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की गले की फांस बना हुआ है।

भीलवाड़ा में मांडलगढ़ उपखण्ड क्षेत्र के बीगोद कस्बे की 26 सेक्टर की आंगनबाडी केंद्रों की कार्यकर्ताओं ने घटिया पोषाहार सप्लाई को लेकर संबंधित अधिकारियों को कई बार शिकायत की लेकिन पोषाहार गुणवत्ता में अभी तक कोई सुधार नहीं हुआ है। हालांकि कोरोना काल से ही राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर आपूर्ति होने वाले 0 से 5 वर्ष तक के बालक बालिकाओं और गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार के लिए पोषाहार में बदलाव किए लेकिन मौजूदा पोषाहार की गुणवत्ता पैकिंग की थैलियों पर अंकित मापदंड पर ठीक नहीं है। थैलियों में पैकिंग बच्चों को दाल और दलिया रास नहीं आ रहा है।

मांडलगढ़ के बीगोद आंगनबाड़ी केंद्र पर घटिया पोषाहार पहुंचने की शिकायत करती कार्यकर्ता।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि केंद्रों पर जो नया पोषाहार पैकेट सप्लाई किया जा रहा है वो घटिया किस्म का है ओर पैकिंग तिथि के कई माह बाद केंद्रों पर पहुंचाया जाता है। बच्चों को मीठा दलिया पकाकर देने पर भी खाने से मुंह चिढाते हैं। मूंग दाल के पैकेट में मूंग कम चावल अधिक आ रहे है। वही गेंहू के पैकेट में गेंहू है या दलिया, यह भी समझ से परे है। मीठा दलिया कड़वाहट दे रहा है। आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने बताया कि सभी केंद्रों पर घटिया पोषाहर सप्लाई हो रहा है। जिसकी शिकायत विभाग अफसरों को की जाती है तो खराब पोषाहार वितरण नहीं करने की बात कही जाती है। वहीं लाभार्थी पोषाहार लेने में आनाकानी करते है। ऐसे में पोषाहर वितरण की समस्या बनी हुई है।

■ मूंग दाल के पैकेट में मूंग कम चावल अधिक आ रहे हैं, वही गेहूं के पैकेट में गेहूं है या दलिया, यह भी समझ से परे है, मीठा दलिया कड़वाहट दे रहा है

इस मामले में मांडलगढ़ सीडीपीओ पुष्पा देवी का कहना है कि संवेदक द्वारा आपूर्ति होने वाले पैकिंग पोषाहार में खराब पोषाहार निकलता हैं तो कार्यकर्ताओं को पाबंद कर रखा है कि वितरण नहीं करें। खराब पोषाहार को संवेदक को वापस लौटाने की कार्रवाई की जाती है।

# फुलेरा जंक्शन पर बन्द हुई ट्रेनों का ठहराव हो तो यात्रियों को मिले लाभ

## कोरोना काल 22 मार्च 2020 से कई ट्रेनों का ठहराव बंद है

फुलेरा जंक्शन पर लगा इण्डिकेशन का फोटो।

**फुलेरा,** (निसं)। रेल प्रशासन के द्वारा कोरोना काल के दौरान 22 मार्च 2020 से फुलेरा जंक्शन से गुजरने वाली ट्रेनें जिनमें जोधपुर-बीकानेर-बिलासपुर, अजमेर-अमृतसर, राजकोट-दिल्ली सराय रोहिला, लखनऊ-अहमदाबाद, दिल्ली सराय रोहिला-उदयपुर सिटी, चेतक एक्सप्रेस (एक तरफा), पुरी-जोधपुर, महामना एक्सप्रेस, इन्दौर-बीकानेर एक्सप्रेस आदि महत्वपूर्ण ट्रेनें सहित लगभग 14 जोड़ी ट्रेन के ठहराव को बन्द कर दिया गया था। इनमें से कुछ गाड़ियां लम्बे रूट की है। साथ ही फुलेरा जंक्शन (ए क्लास) रेलवे स्टेशन होने के नाते दैनिक एवं आमयात्री यहां से उक्त ट्रेनों की सुविधाऐं सूचारू रूप से ले रहे थे। परन्तु जंक्शन पर उक्त ट्रेनों का ठहराव बन्द कर देने के कारण यह सुविधा बन्द हो गयी है।

सभी क्षेत्र में सब कुछ सामान्य हो गया है, साथ ही प्रशासन द्वारा लगभग सभी ट्रेनें पिछले कई महीनों से पुनः चला दी गई है। जबकि उक्त ट्रेनों के ठहराव को पुनः चालु नहीं किया गया है। जिसके चलते हजारों दैनिक रेल यात्रीयों व आम यात्रियों, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, मजदूर वर्ग सहित अन्य को उपरोक्त ट्रेनों में सुविधा हेतु जयपुर अथवा अजमेर जाना पड़ता है। जिसके चलते उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

जानकारी के अनुसार उपरोक्त ट्रेनों के ठहराव को पुनः चालु करवाने के लिए दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत अध्यक्ष अशोक वासदेव द्वारा समय-समय पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं स्थानीय विधायक निर्मल कुमावत को मौखिक एवं ज्ञापन के माध्यम से कई बार मांग की गई है। इसी क्रम में समाजसेवी एवं शिक्षाविद् भंवर लाल कुमावत, शक्ति सिंह के द्वारा भी वरिष्ठ नागरिकों के पक्ष में इनके ठहराव को पुनः चालू करवाने की गुहार लगाई गई है। इसी को लेकर कुछ दिनों पूर्व फुलेरा जंक्शन के निकटवर्ती आसलपुर जोबनेर रेलवे स्टेशन के बाहर सद्बुद्धि यज्ञ भी सम्पन्न करवाया गया था।

# पर्यटकों को वर्षपर्यंत आकर्षित करने के लिए शुरू होगा नाइट ट्यूरिज्म

## प्रशासन ने की कवायद शुरू

**उदयपुर,** (कासं)। लेकसिटी में वर्षपर्यंत सैलानियों को आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए अब यहां पर नाइट ट्यूरिज्म शुरू होगा। इसके लिए फूड बाजार के अलावा ट्यूरिज्म को लेकर रात्रिकालीन गतिविधियां शुरू करने की भी योजना बनाई जा रही है। आगामी दिनों में यहां आयोजित होने वाला शेरपा एवं जी-20 सम्मलेन को मद्देनजर भी यह कवायद तेजी से की जा रही है।

यह सर्व विदित है की पर्यटन के क्षेत्र में उदयपुर अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर अपने एक अलग पहचान बन चुका है। आने वाले समय में जी- 20 की बैठक भी होनी है। ऐसे में उनसे जुडे कई देशों के प्रतिनिधि आएंगे। उनके साथ मीडिया व अन्य कई लोग आएंगे। उनके यहां आने से भी उदयपुर का ट्यूरिज्म बढ़ेगा। वहीं रात में उदयपुर की झीलों का सौंदर्य देखते ही बनता है। सिटी पैलेस की लाइटिंग और उसकी भव्यता और बढ जाती है। सुखाड़िया सर्कल और अन्य पर्यटक स्थलों के लिए रात्रि बस सेवा शुरू की जाएगी।

पर्यटन विभाग की उप निदेशक शिखा सक्सेना के अनुसार इस बारें में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में बैठक हो चुकी है। पर्यटन विभाग की ओर से उन्हें नाइट ट्यूरिज्म की जरूरतों के बारे में बताया गया हैं। महाराष्ट्र में नाइट ट्यूरिज्म काफी समय से चल रहा है। गुजरात भी पर्यटन को बढावा देने के लिए नई एक्टिविटीज करता रहता है, ऐसे में पर्यटकों को बुलाने के लिए हमें भी कुछ हटकर उनके सुविधा के लिए प्रयास करने होंगे। रात में पर्यटकों को खाना मिल सके इसके लिए नाइट फूड कोर्ट या दो बाजार खोले जाएंगे। रात्रि में रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन उतरने वाले पर्यटकों को खाना नसीब हो सके। इस जरूरत को भी पूरा किया जाएगा।

# करौली में नदी में डूबने से बालक की मौत

**करौली,** (निसं)। करौली-कैला देवी मार्ग स्थित बरखेड़ा नदी में रविवार को नहाने गए एक बालक की डूबने से मौत हो गई। जबकि एक बालक को पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों की मदद से सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया। करौली सामान्य चिकित्सालय पुलिस चौकी प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि गश्त के दौरान बरखेड़ा नदी में बालकों के डूबने की सूचना मिली।

सूचना पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और आस-पास मौजूद लोगों की मदद से दोनों बालकों को नदी से बाहर निकाला। लोगों ने बालकों के पेट में से पानी निकालने का प्रयास किया। लोगों के प्रयासों से मनीष की जान बच गई। पुलिस दोनों बालकों को लेकर करौली चिकित्सालय पहुंची। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद योगेंद्र पुत्र भगवान सिंह 11 निवासी नकटीपुरा को मृत घोषित कर दिया। जबकि मनीष पुत्र प्रह्लाद 14 निवासी नकटीपुरा को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद मृतक बालक का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। चौकी प्रभारी ने बताया की मनीष और योगेंद्र बरखेड़ा नदी में नहाने गए थे। इस दौरान गहरे पानी में जाने से डूबने लगे। बालकों की चीखने चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास लोगों की भीड़ लग गई और पुलिस को सूचना दी।

■ एक अन्य डूब रहे बालक को मौजूद लोगों ने बचाया

# फर्जी अंकतालिका बनाने वाले गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार

**उदयपुर,** (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में स्थित फ्लेट में रहते हुए देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों एवं विद्यालयों की अंकतालिकाओं सहित अन्य कूटरचित दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह के आरोपी व महिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर इनके कब्जे से अंकतालिकाएं, उपकरण एवं नकदी जब्त की।

जानकारी के अनुसार मिकाड़ों स्कूल के पास शौभगपुरा स्थित लेकसिटी अपार्टमेंट फ्लेट नं. 411 में रहने वाले व्यक्ति एवं महिला साथी द्वारा देश के विभिन्न राज्यों की शिक्षण संस्थाओं के कूटरचित दस्तावेज बनाने की सूचना मिली। इस पर भुपालपुरा थानाधिकारी हनवंतसिंह सोढा के नेतृत्व में किशनसिंह मय टीम मौके पर पहुंची। घटना स्थल सुखेर पुलिस थाना क्षेत्र में होने से एएसआई सरदारसिंह मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। जहां फ्लेट के चौथे माले पर पहुंच कर किवाड़ खुलवाया तो उसमें रहने वाले व्यक्ति एवं युवती द्वारा कूटरचित दस्तावेज बनाने की पुष्टि होने पर मौके पर मौजूद हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी बांसवाडा निवासी प्रेमसिंह राठौड पुत्र जगदीशसिंह तथा पश्चिमपुरी थाना पंजाबी बाग नई दिल्ली निवासी किरण गौतम पुत्री नेमचीद से पूछताछ कर तलाशी ली तो मौके पर यूपी, एमपी, देहरादून, छत्तीसगढ़, तमिलनाडू, सहित देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षण संस्थओं की अंकतालिका सहित विभिन्न कूटरचित दस्तावेज पाए गए। इस पर पुलिस ने मौके से दस्तावेज के अलावा चमकीले स्टीकर, फोटो कॉपी मशीन, प्रिंटिंग मशीन, पेपर कटिंग मशीन, बाइण्डिंग मशीन, 88 स्टाम्प से भरा बक्सा, 2 लाख 76 हजार रुपये नकदी, 43 मोबाइल बरामद किए। पूछताद में कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर दोनों को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया।

■ विभिन्न विश्वविद्यालयों की अंकतालिकाएं, नकदी एवं उपकरण जब्त किए

# सामूहिक उपवास रख मां शाकंभरी से लगाई जिला बनाने की अरदास

**सांभरझील,** (निसं)। जिला संघर्ष समिति के संयोजक व युवा नेता विवेक उर्फ विक्की शर्मा के नेतृत्व में सांभर को जिला बनाने की चल रही मुहिम अब चरम पर पहुंच रही है।

इसके लिए सांभर, फुलेरा, नरेना सहित आसपास की ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधि नया बस स्टैंड पर रविवार को एकत्रित हुए। सभा में नगर के अनेक दुकानदारों व व्यापारियों ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर अनेक मां शाकंभरी की तस्वीर लगाई गई तथा पूजा अर्चना कर सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए सामूहिक अरदास भी की गई। सरकार का ध्यान आकृष्ट करवाने के लिए एक दिन के सामूहिक उपवास में जनप्रतिनिधियों ने अपनी भागीदारी निभाई।

विधायक निर्मल कुमावत, कांग्रेस से विधायक प्रत्याशी रहे विद्याधर सिंह चौधरी, निर्दलीय विधायक प्रत्याशी रहे दीनदयाल कुमावत सहित के अलावा अनेक जनप्रतिनिधियों व मूहिम में शामिल कुछ वक्ताओं ने सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ अपना उद्बोधन दिया तथा इस विषय पर अपने अपने विचार भी प्रकट किये। सांभर को जिला बनाने के लिए पूर्व में की गई सामूहिक उपवास की घोषणा को सफल बनाने के लिए सभी का हृदय तल से आभार प्रकट किया। इससे पहले बाकायदा घर घर जाकर लोगों को पीले चावल देकर आदर सहित आमंत्रित किया गया।

सोमवार को जिला बनाने की मुहिम के तहत लोगों ने उपवास रख मां शाकंभरी से अरदास लगाई।

■ सांभर को जिला बनाने की चल रही मुहिम चरम पर

बाइक व चौपहिया वाहनों पर सांभर को जिला बनाने के स्टीकर चस्पा किए गए। सांभर के नया बस स्टैंड पर रविवार को सांभर, फुलेरा नारायणा व आसपास की ग्राम पंचायतों के काफी संख्या में जनप्रतिनिधि एकत्रित हुए।

जनहित संघर्ष समिति के संयोजक विवेक शर्मा की टीम में जुड़े सभी जनप्रतिनिधियों व आम नागरिकों की ओर से प्रबल समर्थन मिलने के बाद अब क्षेत्र के लोगों में जोश दोगुना हो गया है। बता दें कि मुहिम के प्रथम चरण में जिला कमेटी के अध्यक्ष रामलुभाया को पूर्व में शिष्टमंडल की ओर से एक अभ्यावेदन भी प्रस्तुत कर सांभर को जिला घोषित करवाने के लिए पक्ष रखा था।

# दो मंजिला मकान हुआ धराशायी

**जुरहरा,** (निसं)। कस्बे में कई दिनों तक लगातार हुई बरसात के चलते शनिवार की रात्रि करीब 9 बजे कस्बे के पहाड़ी रोड पर सैनी मौहल्ले के पास स्थित एक दो मंजिला मकान उसकी नींव में बरसात का पानी चले जाने से अचानक गिर गया। गनीमत यह रही कि मकान में उस वक्त कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। कस्बे के पहाड़ी रोड पर सैनी मौहल्ले के निकट कस्बा निवासी भंवर सिंह गुर्जर के मकान की नींव में पानी चले जाने से भरभरा कर गिर गया जिससे पीड़ित को काफी आर्थिक हानि उठानी पड़ी है। वहीं हादसे के वक्त मकान में किसी सदस्य के मौजूद नहीं होने से किसी भी प्रकार की कोई जनहानि होने से बच गई। अन्यथा हादसा बड़ा भी हो सकता था। पीड़ित भंवर सिंह गुर्जर ने बताया कि उनके घर के पास एक प्लॉट खाली प्लॉट पड़ा हुआ है जिसमें कई दिनों से बरसात व नालियों का पानी जा रहा था जो मकान की नींव में समा रहा था।

# किसानों ने मुआवजे की मांग की

खेत में बारिश से खराब हुई फसल को दिखाते किसान।

**हिण्डौन सिटी,** (निसं)। गत 3 दिन से क्षेत्र में हुई लगातार बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। फसल में हुए नुकसान से आहत किसानों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है।

खेड़ा जमालपुर क्षेत्र के किसान राकेश शुक्ला, श्याम बिहारी, सीताराम , हेतराम, देवेंद्र शुक्ला आदि का कहना है कि इस समय पूरे क्षेत्र में बाजरे की फसल लगभग कट चुकी है। जिसमें बाजरा ही नहीं बल्कि पशुओं के लिए चारे के रूप में काम में आने वाली कड़वी में भी सड़न पैदा हो गई है। खेत में पड़ी बाजरे की बालियों में दाने फिर से अंकुरित हो गए हैं। किसानों की फसल में 100 फीसदी नुकसान हो चुका है। उपखंड क्षेत्र के गांव खेड़ा, जमालपुर, फैली का पूरा , रिठौली, कंचरौली, फुलवाड़ा, महू, करई, क्यारदा, तिवारा आदि गांवो में हजारों बीघा की बाजरे की फसल नष्ट हो चुकी है। किसानों का कहना है कि सरकार किसानों को हुए इस भारी नुकसान से पूरी तरह बेपरवाह है। अगर सरकार की ओर से इस नुकसान के मुआवजे की करवाई शुरू नही की गई तो आगामी मंगलवार को किसान की ओर से उपखंड अधिकारी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन शुरू किया जावेगा।

# लंपी बीमारी से मरी गायों को खुले में फेंका जा रहा

नीमकाथाना मंढोली नाका के पास नगर पालिका कचरा क्षेत्र में मरे हुए गाय व गोवंश को पालिका के ट्रैक्टर की सहायता से कचरे के ढेर में डाला जा रहा है।

**पाटन,** (निसं)। नगरपालिका क्षेत्र में स्थित गोपाल गोशाला की गायों में लंपी रोग आया था जिस कारण पहले भी लगभग 20 गायों की मौतें हो गई थी और आज भी एक गाय व बछड़ा की लंपी रोग के कारण मर गई। उन मृत गायें एवं गाय के गोवंशों को नगरपालिका द्वारा अपने ट्रैक्टर में डालकर कचरे के ढेर में डलवाया था रहा है जो नियम विरुद्ध है।

मृत गायों की हकीकत जानने के लिए संवाददाता जब गौशाला पहुंचे तो गौशाला में कार्य करने वाले लोगों ने कहा कि पूर्व में भी गायों की मौत हो गई थी जिनको बाहर ही डलवाया गया है। जबकि सनातन धर्म में मृत गायों को गड्ढा खोदकर उसमें दफनाया जाता है जिससे रोग के कीटाणु अन्य पशुओं में नहीं पहुंच सके। हालांकि इस बारे में गोपाल गौशाला अध्यक्ष ने साफ मना कर दिया कि गौशाला में कोई भी गाय नहीं मरी है तो फिर आज रविवार को कूड़े के ढेर में मृत गाय एवं बछड़ा कहां से आया है ? गत एक माह से नीमकाथाना में लंपी गायों के चंगुल में फंसी गायों को बचाने की एक मुहिम चली हुई है ताकि रोग ग्रस्त गायों को बचाया जा सके, उसके बावजूद भी नीमकाथाना में भामाशाहों द्वारा मदद करना तो दूर अपितु मृत गायों को खुले में डालकर लोगों को बदबू की पीड़ा और देने में लगे हैं।

# महिला ने आत्महत्या की

**सुजानगढ़,** (निसं)। वार्ड नम्बर 46 में स्थित भानी धोरा मोहल्ले में एक विवाहिता ने फांसी के फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इस आशय की रिपोर्ट पुलिस को मृतका के पिता केशाराम मेघवाल निवासी गांव मलसीसर ने देकर बताया कि मेरी लड़की किरण की शादी करीब 21 साल पहले मघाराम मेघवाल निवासी, भोनाधोरा के पास सुजानगढ़ के साथ हुई थी। प्रार्थी का कहना है कि 25 सितम्बर को मेरे दोहिते सागर का मेरे पास फोन आया कि मेरी मां किरण ने मेरे पिताजी मघाराम से परेशान होकर आत्महत्या कर ली है।

प्रार्थी का कहना है कि इस पर मैं किरण के घर आया, तो पाया कि किरण की लाश को चारपाई पर लेटा रखा था। प्रार्थी ने पुलिस से मांग की है कि आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जावे। वहीं थानाप्रभारी जगदीश सिंह ने बताया कि 40 वर्षीय विवाहिता किरण ने साड़ी से हुक पर फांसी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। जिसके बाद मृतका के शव को पुलिस ने बगड़िया अस्पताल पहुंचाया। जहां से पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# ठूंस-ठूंस कर गौवंश से भरी गाड़ी पकड़ी, तस्कर फरार हुए

## नारायणपुर पुलिस व गौरक्षक दल की गोतस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

**नारायणपुर,** (निसं)। नारायणपुर पुलिस व गौरक्षक दल ने शनिवार देर रात्रि को गौतस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गांव अजबपुरा के पास गौकशी के लिए ले जाते गौवंश से भरी मिनी टाटा 407 गाड़ी को पकड़ा जिसमें 10 गोवंशों के मुंह और पैर रस्से से बांधकर गाड़ी में ठूंस-ठूंस कर भरे हुए थे। जीवित 10 गौवंशों को गौ सेवा समिति मुण्डावरा में भेज दिया गया।

गौ रक्षक देशराज सैनी ने बताया कि सूचना मिली की गढ़बसई से नारायणपुर की ओर गौवंश से भरी एक मिनी टाटा 407 आ रही है। इसके बाद पुलिस व गौरक्षक टीम ने गौतस्कर का पीछा किया तो पुलिस को देखकर गो तस्कर करीब 100 मीटर पहले ही मिनी टाटा 407 को छोड़कर भाग गये। पुलिस ने तस्करों को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन अंधेरा का फायदा उठाते हुए गो तस्कर हाथ नहीं आए। पुलिस ने मिनी टाटा 407 गाड़ी को जब्त कर अज्ञात लोगों के खिलाफ गो तस्करी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मौके पर गौरक्षक सुभाष यादव, रामवीर सिंह शेखावत, साहिल राठी, महेंद्र गुर्जर आदि लोग मौजूद थे।

गोतस्करी में बरामद की गई मिनी टाटा 407 गाड़ी।

# शारदीय नवरात्र आज से, घर-घर होगी घट स्थापना

**अजमेर,** (कासं)। कोरोना संक्रमण काल के दो वर्ष पश्चात इस बार शारदीय नवरात्र पर शहर सहित जिले भर में गरबा रास व डांडियों की धूम मचेगी। शारदीय नवरात्र सोमवार से शुरू होंगे, घर घर घट स्थापना होगी। ज्योतिषाचार्यों के पंचांग भी खुल जाएंगे, मांगलिक कार्यक्रम की शुरुआत होगी। श्रद्धालु 9 दिन निराहार व्रत रखेंगे। शारदीय नवरात्र को लेकर शहर सहित जिलेभर के मंदिरों में मां दुर्गा की पूजा होगी। नवरात्र के त्योहार में मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाएगी। मां दुर्गा के नौ अलग अलग रूपों की पूजा अर्चना के लिए मंदिर और घरों में तैयारियां पूर्ण कर गई। मंदिरों में साज सज्जा और सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

शारदीय नवत्ररा के अवसर पर शहर के प्रमुख मंदिरों फायसागर रोड स्थित चामुंडा माता मंदिर, बजरंगगढ अंबे माता मंदिर, नौसर माता मंदिर, मेहंदी खोला माता मंदिर, रामगंज दुर्गा माता काली मंदिर सहित अनेक मंदिरों में नवरात्र के दौरान दुर्गा पाठ, हवन-यज्ञ सहित माता की स्तुति के धार्मिक कार्यक्रम के साथ ही शहर में जगह-जगह पांडालों में गरबा रस व डांडियों की धूम मचेगी। नवरात्र शुरू होते ही बाजार में भीड़ भाड़ शुरू जाएगी। महोत्सव को लेकर शहर के बाजार सज संवर उठे हैं। रविवार को ही पूजन सामग्री की दुकानों पर लोगों की भीड़ रही, साथ ही फल-फूल के दाम भी बढ़ गए। नवरात्र के अवसर पर बाजार में कपड़ा, सर्राफा, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सहित अन्य क्षेत्रों में तेजी पकड़ ली है। बाइक शोरुम पर नवरात्र के पहले दिन ही बाइकों खरीद फरोख्त शुरू हो जाएगी। नवरात्र के चलते आनासागर चौपाटी व मार्टिण्डल ब्रिज सहित अन्य स्थानों पर श्रद्धालु माता की मूर्तियों की खरीदारी के लिए जुटे रहे।

नगर निगम, अजमेर के तत्वावधान में इस बार तोपदड़ा स्कूल ग्राउण्ड में गरबा व दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन किया किया जा रहा है। गरबा समिति के संयोजक पार्षद श्रवणकुमार (सन्नू) के अनुसार इस बार गरबा व दुर्गा पूजा महोत्सव तोपदड़ा स्कूल ग्राउण्ड में किया जा रहा है। जिसके लिए विशेष तैयारियां की जा रही है। रविवार को मेयर बृजलता हाडा व आयुक्त सुशील कुमार ने तोपदड़ा पहुंच कर ग्राउण्ड का जायजा लिया व तैयारियां देखी। पार्षद श्रवणकुमार ने बताया कि प्रात: 11.30 बजे दुर्गा माता की मूर्ति स्थापना की जाएगी एवं सायं 7 बजे से गरबा का आयोजन किया जाएगा। जिसमें शानदार म्यूजिक के साथ गरबा किया जाएगा। समस्त शहर वासियों से अपील है कि वे अधिक से अधिक गरबा की पारम्परिक परिधान में आकर गरबा रास का आनन्द लेवें।

बजरंगगढ स्थित अंबे माता के मंदिर पर शारदीय नवरात्र के अवसर पर प्रतिदिन सुबह व शाम महाआरती की जाएगी।

नवरात्र से पूर्व मेयर बृजलता हाडा व आयुक्त सुशील कुमार ने तोपदड़ा पहुंचकर ग्राउण्ड का जायजा लिया व तैयारियां देखी।

- आज से शुरू होगा गरबा महोत्सव, माता के मंदिरों में नवरात्र की तैयारियां पूरी
- गरबा रास व डांडियों की मचेगी धूम

नवरात्र के अवसर पर सुबह 5 बजे मां अंबे को शृंगार कराते हुए, आरती का आयोजन होगा, श्रद्धालु माता का आशीर्वाद लेकर अपनी मनोकामना मांग सके। नवमी तक इसी तरह से विशेष व्यवस्था अंबे माता मंदिर ट्रस्ट की ओर से की गई है। मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार 38 साल बाद पहला मौका है, जब माता की स्थापना के बाद अष्टमी 3 अक्टूबर को ही आ रही है, ऐसे में विशेष पूजा और भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा। जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल राहुल और कनिका द्वारा भजनों की प्रस्तुति देंगे। मंदिर में विशेष सजावट की जा रही है। कोविड-19 महामारी के बाद यह पहला मौका होगा जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां अंबे के दर्शन करने पहुंचेंगे। ऐसे में पुलिस व प्रशासन की ओर से भी व्यापक इंतजाम किए गए है। नगर निगम प्रशासन द्वारा कोरोना संक्रमण काल के दो वर्ष पश्चात इस बार नवरात्र व दशहरा महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। महापौर ब्रजलता हाड़ा ने बताया कि 5 अक्टूबर को दशमी तिथि पर पटेल मैदान में रावण दहन होगा। दशहरे पर दहन होने वाला रावण इस साल 65 फीट का होगा। नगर निगम ने रावण, मेघनाथ और कुंभकरण के पुतले तैयार करने के लिए टेंडर निकाला था, निगम की शर्तों के अनुरूप यूपी के फतेहपुर सीकरी से आए 20 कारीगर पुतले तैयार करने में जुटे हैं। तीनों पुतलों को बनाने के लिए नगर निगम 3.40 लाख रुपए खर्च कर रहा है। रावण दहन शहरवासियों के लिए रोचक और पसंदीदा हो, इसके लिए पहली बार नगर निगम आधे घंटे आतिशबाजी करवाएगा ताकि कोरोना काल के 2 साल बाद आयोजित हो रहा विजयदशमी पर्व आकर्षक हो। मेयर हाड़ा ने बताया कि नवरात्र के अवसर पर नगर निगम द्वारा जीएलओ ग्राउंड पर डांडिया रास महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। शहर में पटेल मैदान के अलावा छोटे-बड़े स्तर पर 150 से ज्यादा जगह पर रावण दहन होंगे। आनासागर, रीजनल कॉलेज चौपाटी सहित अन्य जगह पर पुतले तैयार हो रहे हैं।

## सार-समाचार

### बालाजी मेले की पूर्व संध्या पर भजनों की प्रस्तुति

**बिजयनगर** (निसं)। समीप गांव बरल द्वितीय में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले मेले कि पूर्व रात्रि को भजन संध्या का आयोजन किया गया। शनिवार रात्रि को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल खंड बरल द्वित्तीय ग्रामवासियों की ओर से पारंपरिक रूप से बालाजी मन्दिर से ज्योति जुलूस निकला। ज्योति जुलूस बालाजी चौक मुख्य मार्गों से होता हुए गाजे बाजे के साथ निकाला गया जुलूस के दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने अखाड़ा प्रदर्शन करते हुए करतब दिखाए। रात्रि में मंदिर प्रांगण में आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक अर्जुन राणा जयनगर एवं प्रसिद्ध भजन गायिका, मधुबाला राव उदयपुर ने हनुमान जी के मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। मधुर भजनों की प्रस्तुतियों पर देर रात तक श्रद्धालुओं ने आनंद उठाया। रविवार प्रात:काल से ही बालाजी के मंदिर पर दर्शनार्थियों की भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने धूप, दीपदान, नारियल अगरबत्ती माला चढ़ा कर मंदिर में स्थित प्रतिमा के दर्शन किए। ग्रामवासी कालू जांगिड़, किशन माली, रामदेव सांगला, सुरेंद्र सिंह भाटी, धर्मवीर सिकलीगर लोहार, राम लाल साहू, सुशील साहू, सोनू पंडित, राहुल साहू, बुधराज, नोरत साहू, ओम प्रकाश पुजारी, मिद्दू सिंह राठौड़, राजेश जांगिड़ प्रदीप चौधरी ,सुरेंद्र चौधरी, जय चन्द साहू, प्रभु लाल प्रजापत, टीकम बागवान, रामदेव चौधरी, धनराज चौधरी मेले की व्यवस्था में मौजूद रहे।

### नवरात्र महोत्सव का आगाज आज से

**मसूदा** (निसं)। मसूदा कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों में सोमवार को घट स्थापना के साथ शरदीय नवरात्र महोत्सव का धूमधाम के साथ आगाज होगा। शक्ति पीठ पर नवरात्र महोत्सव को लेकर जोरदार तैयारी की गई । दो वर्ष से कोरोना काल में बंद हुई डांडिया रास की खनक एक बार फिर से सुनाई देगी । मसूदा कस्बे सहित आसपास के अनेक स्थानों पर विधिवत रूप से माता रानी की स्थापना की जाएगी जहां सुबह और शाम माता की आराधना होगी इसके साथ ही गरबा रास के कार्यक्रम भी होंगे पूरे नों दिन तक गरबा नृत्य की धूम मची रहेगी । मसूदा पंचायत समिति के कई स्थानों पर एवं मंदिरों पर भी विधि विधान के साथ घट स्थापना एवं हवन के साथ नवरात्र महोत्सव का शुभारंभ होगा। मंदिर परिसरों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। जहां नों दिनों तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की धूम बचेगी।

### चिड़िवाल ब्लॉक कोर्डिनेटर मनोनीत

**अजमेर,** (कास )। दलित अधिकार केंद्र के मुख्य कार्यकारी पी.एल.मीमरोठ की अनुशंसा पर केंद्र के अध्यक्ष एडवोकेट सतीश कुमार ने मांगलियावास ग्राम पंचायत के दौलतखेडा निवासी प्रतिष्ठित समाजिक कार्यकर्ता कैलाश चिड़िवाल को दलित अधिकार केंद्र का अजमेर जिले की पीसांगन ब्लॉक कोर्डिनेटर पद पर मनोनीत किया गया है। केंद्र को पूर्ण विश्वास है कि चिड़िवाल अपने पद पर रहते हुए दिए गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे तथा केंद्र के प्रति ईमानदार रहेंगे और केंद्र को मजबूत और सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर दलित अधिकार केंद्र की जिला समन्वयक इन्द्रा सोंलकीं, एडवोकेट मनोज जाजोरिया, नरपत सिंह राठौड़, मेघवाल समाज 28 गांव के पदाधिकारी सांवरलाल डिया, पन्नालाल फानण, कैलाश परिहार, अरविंद मेघवंशी, नितेश डिया, पंचायत समिति सदस्य प्रदीप कुमार बारेसा सहित जनप्रतिनिधियों ने बधाई दी। आवश्यक

### आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा

**ब्यावर** (निसं)। श्री अग्रवाल समाज के प्रवर्तक अग्रसेन महाराज का 10 दिवसीय जयंती महोत्सव अग्रवाल समाज द्वारा धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। जयन्ती संयोजक आलोक गुप्ता ने बताया की अग्रसेन महाराज के जयन्ती दिवस पर समाज अध्यक्ष नितेश गोयल द्वारा अग्रसेन भवन पर ध्वजारोहण कर अग्रसेन महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जायेगा। इसके पश्चात् कलश यात्रा व जुलूस शहर के मुख्य बाजार से होते हुए अजमेरी गेट स्थित बंशी भवन पर समापन होगा। समाज मंत्री पवन रायपुरिया ने बताया कि शोभायात्रा पश्चात् बंशी भवन में हवन किया जायेगा साथ ही सभी अग्रबंधुओं को श्रीफ़ल वितरण किया जायेगा। इसके पश्चात् अग्रबधुओं हेतु फतेहपुरिया बगीची में महाप्रसादी का आयोजन किया जायेगा।

### बिजली कटौती बंद करने की मांग

**अजमेर,** (कासं)। राजस्थान प्रदेश राजीव गांधी यूथ फेडरेशन के प्रदेश संयोजक कमल गंगवाल ने जिला कलेक्टर और टाटा पावर के उच्चाधिकारियों से अघोषित व रखरखाव के नाम पर बिजली कटौती को रोकने की मांग की है। गंगवाल ने बताया कि नवरात्री पर्व शुरू हो गया है वही दूसरी ओर दीपावली त्योहार के मद्देनजर घरों में व दुकानों में साफ सफाई का कार्य भी चल रहा है ऐसे में बिजली की कटौती से आमजन को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

## देश की आजादी में शहीद हुए राष्ट्र पुरुषों को श्रद्धांजलि दी

**पुष्कर,** (निसं.)। जय भारत मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री गिरीश जुहाल संघ के वरिष्ठ प्रचारक के नेतृत्व मे अमावस्या को पुष्कर के समस्त जागरूक समाज एवं विप्र गणों ने मिलकर देश के लिए बलिदान होने वाले अपने भारतीय पूर्वजों को सनातन पद्धति से पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी 25 सितंबर पितृ पक्ष की अमावस्या के दिन ग्वालियर घाट ब्रह्म सरोवर पर तर्पण किया।

तर्पण कार्य में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वर्गवासी प्रचारकों, राम जन्म भूमि आंदोलन में शहीद हुए राम भक्तों, गौ सेवा और गौ माता को राष्ट्र माता आंदोलन में शहीद हुए गौ भक्तो, कोरोना काल में शहीद हुए सेवक, धर्म रक्षा और संस्कृति के संरक्षण में जीवन समर्पित करने वाले राष्ट्रपुरुषों को भी तर्पण किया साथ ही राष्ट्र ऋषि स्वामी विकेकानंद, श्रद्धान्दन, स्वामी लक्ष्मणांद महाराज, सत्यमित्रानंद गिरी महाराज, विहिप के पूर्व राष्ट्र अध्यक्ष और राम मंदिर आंदोलन के अग्रदूत अशोक सिंहल, संघ के के सी सुदर्शन, महाराणा प्रताप शिवाजी माँ पदमावती गुरुगोविन्द सिंह लक्ष्मी वाई, भगत सिंह सुखदेव चंद्रशेखर आजाद देश के स्वतंत्रता संग्राम मे बलिदान जैसे अनेकों राष्ट्र पुरुषों का तर्पण किया गया। इस अवसर पर पुष्कर की गौ माताओं को चारा एवं उनके बीच व्याप्त बीमारी से बचाव के लिए दवाई लगाने का कार्य भी किया। गौ माता की सेवा के लिए समर्पण किया गया। अपने देश के लिए बलिदान होने वाले और देश के लिए अविवाहित रहकर जीवन जीकर दिवंगत होने वाले संघ के प्रचारकों के नाम पर फलदार वृक्ष भी लगाए गये। ब्रह्म सरोवर की मछलियों को दाना भी डाला गया। जीव मात्र के कल्याण की भावना को बढ़ाकर उसका पुण्य उपरोक्त पूर्वजों को प्राप्त हो ऐसा प्रयास किया गया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के जिला धर्म प्रसार मंत्री विष्णु शर्मा, विहिप नगर अध्यक्ष रामकरण मेघवाल बजरंग सयोंजक त्रिलोक रावत प्रखंड पुष्कर, राष्ट्रीय स्वय सेवक संघ बालकिशन जी पाराशर संघ धर्म प्रचार विभाग प्रमुख नंदू लाल पवार, जगदेव सिंह टीकम चौहान सुनील उपाध्याय श्याम मरोटिया गंगा यादव, जय भारत मंच, मां सावित्री सेवा समितिके नरेंद्र सिंह जीतेन्द्र सिंह राजेंद्र सिंह जीतेन्द्र सिंह नौसल आदि सहयोगी रहे।

## कार्यकारिणी में शोभायात्रा सहित कई निर्णय लिये

**अजमेर,** (कासं)। श्री अग्रवाल बंधु पश्चिमी क्षेत्र संस्था अजमेर की कार्यकारिणी मीटिंग फॉय सागर रोड 16 गंगोत्री पर संस्था अध्यक्ष डॉ. विष्णु चौधरी की अध्यक्षता में हुई।

इसमे महाराजा अग्रसेन की शोभा यात्रा जुलूस का स्वागत नया बाजार घासकटला पर पुष्प वर्षा, शीतल जल, महाराजा श्री की महाआरती व प्रसाद द्वारा किया जाएगा। संस्था सचिव महेंद्र जैन मित्तल ने बताया कि सर्वप्रथम आराध्य देव महाराजा अग्रसेन के चित्र पर संस्था के वरिष्ठ सदस्य चांद करण अग्रवाल ने पुष्प माला अर्पित की। गत कार्यवाही पुष्टि के साथ मीटिंग प्रारंभ हुई। कोषाध्यक्ष अजय अठावाल ने विगत आय.व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया जिस पर सभी ने सहमति दी। मंच, पुष्प, शीतल जल हेतु बालकिशन मित्तल, अगम प्रसाद मित्तल, महेश गुप्ता को जिम्मेदारी दी। योगेश अठावाल, सुरेंद्र मित्तल, सतीश गोयल, आशीष गोयल, पूर्व पार्षद शैलेंद्र अठावाल, के जी अठावाल, दिनेश जैन गोयल, राजेश गोयल, प्रकाश गोयल, प्रवीण बंसल अग्रवाल, नंद किशोर गर्ग सहित कई जन उपस्थित थे। अंत में सचिव महेंद्र जैन मित्तल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

## खेल हमारी संस्कृति धरोहर है, हार से ही जीत हासिल होती है : सरपंच राठौड़

शिखरानी सरपंच सुरेंद्रसिंह राठौड़ ने कबड्डी प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया।

**मसूदा,**(निसं)। क्षेत्रीय प्रधान प्रतिनिधि व शिखरानी सरपंच सुरेंद्रसिंह राठौड़ ने कहा कि ग्राम पंचायत श्यामगढ़ के क्षेत्र में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। श्यामगढ़ में कबडडी प्रतियोगिता में आयोजित एक सादे समारोह में बोल रहे थे। कबड्डी प्रतियोगिता के उदघाटन समारोह में माल्यार्पण एवं साफा बंधाकर स्वागत किया गया।

जबकि पंचायत समिति सदस्य महमद काठात का व श्यामगढ़ सरपंच नेक मोहम्मद, पूर्व सरपंच लादू फ़ौजी, शेरसिंह राठौड़ सहित कई गणमान्य नागरिकों का माल्यार्पण स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर आयोजित सादे समारोह को संबोधित करते हुए राठौड़ ने कहा कि उन्हें जनता ने जो सेवा करने का अवसर प्रदान किया है उसी के अनुसार जनता के दुख दर्द में हमेशा साथ रहेंगे।

- 'श्यामगढ़ में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी'

राठौड़ ने खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि खेल हमारी संस्कृति धरोहर है हार से ही जीत हासिल होती हैं खेल को खेल की भावनाओं से खेले खेल से ही मनुष्य का मनोबल बढ़ता है खेल से भाईचारा का संदेश देता है। राठौड़ सभी टीमो के खिलाड़ियों का परिचय लिया व उनके उज्वल भविष्य की कामना की ।इस प्रतियोगिता के अवसर पर सुरेन्द्र सिंह राठौड़, पंचायत समिति सदस्य अहमद काठात, श्यामगढ़ सरपंच नेक मोहम्मद, पूर्व सरपंच लादू फौजी धोलादाता ग्राम पंचायत श्यामगढ़ के वार्ड पंच एवं गणमान्य नागरिक कबड्डी प्रतियोगियता में मौजूद थे।

## कोरोना काल में मरे लोगों की अस्थियां पुष्कर सरोवर में विसर्जित की

**पुष्कर,** (निसं)। कोरोना काल में मरे जिन लोगों की अस्थियां लेने उनके परिवार वाले नही आये उन तीन सौ से भी ज्यादा लोगों की अस्थियां अमावस्या के पावन पर्व पर अजमेर की जय अम्बे नवयुवक सेवा समिति ने विधि विधान से पूजा अर्चना करके पुष्कर सरोवर में विसर्जित की। अज़मेर की जय अम्बे सेवा समिति बजरंग गढ़ पूरे देश के लिए मिसाल बन गयी है।

समिति के सभी पदाधिकारी, सदस्य व अन्य सैकड़ों लोग सम्मान से अस्थियां लेकर राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड जयपुर के उपाध्यक्ष व अजमेर जय अम्बे सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश टंडन के नेतृव में पूरी टीम पहुँची । पुष्कर सरोवर के किनारे लगभग एक से डेढ़ घंटे तक पुष्कर के प्रसिद्ध पंडित कैलाशनाथ नाथ दाधीच की टीम ने वैदिक मंत्रों के साथ पूजा अर्चना करा कर सरोवर में प्रवाहित कराई। समिति के अध्यक्ष राजेश टंडन ने बताया की जो अस्थियां सुरक्षित थी उन्हें एकत्रित अलग अलग श्मशान से की लेकिन सैकड़ो लोगों की अस्थियां तो इधर उधर ही जमी दोस हो गयी।

टंडन ने सभी संस्थाये जो देश विदेश में है वह भी कोरोना से मरे पीड़ित लोगो की अस्थियां तीर्थ, नदियों में विसर्जित करने की बात कही जिससे उन्हें मोक्ष मिल सके। इस दौरान संदीप गोड़,बाबू लाल दगदी, संजय दगदी, आलोक भारत व्याज व समिति के लोग मौजूद थे।

समिति के लोगों ने अस्थियों की पूजा की।

## नाहरसिंह राजियावास सहकारी समिति के निर्विरोध अध्यक्ष

**ब्यावर,**(निसं)। राजियावास ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड राजियावास के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर रविवार को शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न हो गए। निर्वाचन अधिकारी मुकेश यादव ने बताया कि अध्यक्ष पद पर राजियावास के पूर्व सरपंच नाहरसिंह कालिंजर और उपाध्यक्ष पद पर शांति देवी पत्नी छीतरसिंह राजियावास का निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

नव निर्वाचित अध्यक्ष नाहरसिंह का सरपंच ब्रजपालसिंह रावत के नेतृत्व में ग्रामीणों ने स्वागत किया। इस मौके पर छीतरसिंह राजियावास, बहादुरसिंह गणेशपुरा, ओमप्रकाशसिंह कालिंजर, हरिराम कालिंजर, भंवरसिंह, मोहनसिंह जैतगढ बामणिया, गंगासिंह चौहान, युवराजसिंह, बाबूसिंह आदि मौजूद थे। गौरतलब है कि गत दिनों राजियावास ग्राम सेवा सहकारी समिति के एक से 12 वार्ड तक सभी संचालक मंडल सदस्यों का चुनाव भी निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया था। इसमें वार्ड एक से हरि राम कालिंजर, दो से शांति देवी राजियावास, तीन से नाहर सिंह कालिंजर, चार से राजू सिंह गोहाना, पांच से दयाल सिंह नरबदखेडा, छह से बहादुर सिंह गणेशपुरा, सात से पुष्पा देवी जैतगढ बामणिया, आठ से राजू सिंह जैतगढ बामणिया, नौ से राजेन्द्र सिंह कालिंजर, दस से नैना सिंह रामखेडा धनार, 11 से भंवर सिंह कालिंजर, 12 से गीता देवी कालिंजर का निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है।

## 12 साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

एनडीपीएस एक्ट में 12 साल से फरार चल रहे नागौर कोतवाली थाने के एक वांछित अपराधी को पुलिस ने चित्तौड़गढ़ से पकडा।

**नागौर,** (निसं)। एनडीपीएस एक्ट में 12 साल से फरार चल रहे नागौर कोतवाली थाने के एक वांछित अपराधी को पुलिस ने चित्तौडगढ़ से पकडा है। अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को 12 साल से फरार चल रहे आरोपी को पकडने में कामयाबी मिली है।

कोतवाली थानाधिकारी हनुमानसिंह चौधरी ने बताया कि 13 जनवरी 2011 को कोतवाली के तत्कालीन थानाधिकारी जब्बर सिंह पुलिस दल सहित बसवानी तिराहे पर नाकाबंदी कर रहे थे। इसी दौरान मनोहर उर्फ मन्नीराम बिश्नोई निवासी भेड व श्रवण पुत्र रामलाल बिश्नोई निवासी भेड को गिरफ्तार कर 960 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम को जब्त किया गया था। इस प्रकरण में चित्तौडगढ के गांव चरलिया भोपाल का रतन डांगी उर्फ रतनलाल पुत्र औंकार डांगी फरार चल रहा था। इस प्रकरण के दर्ज होने के 12 सालों बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिल रहा था। पिछले दिनों एसपी राममूर्ति जोशी ने सभी वांछित अपराधियों को पकडने के निर्देश दिए थे। इस पर एएसपी राजेश मीणा व वृत्ताधिकारी विनोद कुमार सीपा के निकटतम सुपरविजन में वांछितों की धरपकड हेतु अभियान चलाया गया जिसमें आरोपी को कोतवाली पुलिस की टीम ने पकडा। इस गिरफ्तारी में कोतवाली थानाधिकारी हनमान सिंह चौधरी व कांस्टेबल नरेन्द्र व सुरेश शामिल थे।

## पेट की जटिल बीमारियों का आधुनिक तकनीक से इलाज संभव : डॉ भोजवानी

**अजमेर,** (कासं)। देश के जाने-माने गैस्ट्रो सर्जन डॉ राजेश भोजवानी ने कहां कि पेट की जटिल बीमारियों का आधुनिक तकनीक से कारगर इलाज संभव हो गया है। डॉ भोजवानी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल हॉस्पिटल एवं मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा रविवार को प्रताप महल में आयोजित मेडिकल एजुकेशन सेमिनार में चिकित्सकों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पेट की जटिल बीमारियों एवं जटिल मेडिकल कॉम्प्लिकेशन का आधुनिक तकनीक से आसान एवं कारगर इलाज हो रहा है। लीवर की सर्जरी लीवर ट्रांसप्लांटेशन मोटापे की सर्जरी, रेक्टम कोलन, कैंसर पैंक्रियास की बड़ी सर्जरी अल्सरेटिव कोल्लिटिस और खाद्य नली का कैन्सर की सर्जरी एवं व्हिप्पल्स सर्जरी बड़ी संख्या में होने लगी हैं। उन्होंने कहा कि लेप्रोस्कोपिक तकनीक से सूक्ष्म चीरा लगाकर एडवांस टेक्नोलॉजी से जटिल से जटिल ऑपरेशन करना अब सामान्य बात हो गई हैं। सेमिनार में संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल के क्लीनिकल डायरेक्टर एवं गैस्ट्रो विभाग के अध्यक्ष डॉ अनुराग गोविल ने कहा कि लीवर की बीमारियों के मूल्यांकन एवं निदान के लिए एंडोस्कोपी जांच की महत्वता बढ़ गई है। एंडोस्कोपी में रीसेंट टेक्नोलॉजी अपग्रेडेशन से बीमारी की सटीक जांच संभव हो पा रही हैं। स्पाइरल एंडोस्कोपी से इस्तेमाल वालों की बीमारियों का सटीक मूल्यांकन होने लगा है एवं थर्ड स्पेस एंडोस्कोपी से भोजन की नली को ठीक करने के लिए अब सर्जरी से बचा जा सकता है। डॉ गोविल ने कहा कि एंडोस्कोपी से छोटी गाँठ का इलाज भी बिना सर्जरी के सम्भव है।

- आईएमए की मेडिकल सेमिनार का आयोजन

सेमिनार में संतोकबा दुर्लभजी मेमोरियल अस्पताल एवं मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के सचिव योगेंद्र दुर्लभजी ने भी शिरकत की। उन्होंने बताया कि संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल में राजस्थान के डॉक्टरों के लिए महिलाओं की डिलीवरी के समय होने वाले कॉम्प्लिकेशन पीपीएच के लिए एक हेल्पलाइन शुरू कर रहा है। यह हेल्पलाइन पीपीएच के लिए राजस्थान के डॉक्टर स्वास्थ्य कर्मियों के लिए ट्रेनिंग सेशन आयोजित करेगा। जिसमें मरीज को मैनेज कर उपचार की जानकारी साझा की जाएगी। सेमिनार में संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल के उप अधीक्षक डॉ पीयूष माथुर ने लीवर एवं आतों से संबंधित बीमारियों एडवांसमेंट्स एवं उपचार की जानकारी चिकित्सकों से साझा की। सेमिनार में डॉ अनुपम चतुर्वेदी डॉ बीके मालपानी डॉ दिनेश विजय डॉ निशी गुप्ता डॉ प्रवीण के शर्मा डॉ पूनम यादव डॉ सारिका लांबा डॉ उमेश खंडेलवाल ने व्याख्यान दिए। सेमिनार में जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ वी बी सिंह इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं पुर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल सचिव डॉ हरिबंस दुआ जवाहर फाउंडेशन के प्रभारी शिव कुमार बंसल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अनुज पिंगोलियां डॉ पीके सारस्वत डॉ राजेश गोयल डॉ सुरेश मेघवाल डॉ भरत छबलानी डॉ प्रेमचंद चांदवानी डॉ रामलाल चौधरी डॉ चेतराम रायपुरिया सहित बड़ी संख्या में अजमेर जिले के चिकित्सक उपस्थित थे।

मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित मेडिकल एजूकेशन सेमिनार में चिकित्सकों को गैस्ट्रो सर्जन डॉ राजेश भोजवानी ने संबोधित किया।

## शिविर में 190 यूनिट रक्त एकत्रित

**नसीराबाद,** (निसं)। माँ भारती परिवार राजस्थान द्वारा रक्तवीर भावेश थदानी की स्मृति में रविवार को रक्तदान शिविर व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रामचन्द्र जी की धर्मशाला में रखा गया है।

रक्तदान शिविर में एसएमएस जयपुर, जनाना हॉस्पिटल अजमेर व श्रेत्रपाल हॉस्पिटल की ब्लड बैंक टीम को रक्तसंग्रहन हेतु बुलाया गया है। शिविर में 190 यूनिट ब्लड डोनेशन प्राप्त हुआ जो सभी टीमों को दिया गया आमजन की सहायतार्थ रक्तदान शिविर में पवन ढि ल्लीवाल माँ भारती परिवार प्रमुख राजस्थान ने बताया कि नसीराबाद की टीम ने अपनी सेवा इस शिविर में दी। शिविर में मोहित सास्वत, विजय टाक, विविध गोयल, फैजान हसन, मणिकांत शर्मा, रेखा टाक, दशरत सिंह, अमित मित्तल, देवेश बाबानी, रवि सोनी, सुभाष सेठी, राकेश प्रजापत ने अपनी सेवाएं दी साथ ही शिविर में गोपाल हलवाई व अरविंद धर्मशाला वालों का विशेष सहयोग रहा।

## संक्षिप्त

### होम्योपैथिक इलाज से लोग लाभान्वित

**मकराना,** (निसं)। होम्योपैथिक के मशहूर डॉक्टर डॉ रवि खेमादा द्वारा प्रत्येक रविवार को होम्योपैथिक पद्धति द्वारा ईलाज किया जाने से कई पीति लोगों ने उपचार लेकर राहत की सांस ली। अब मकराना शहर सहित इलाके में बीमार लोगों को सुगमतापूर्वक उपचार मिलेगा। जानकारी के अनुसार डॉ खेमदा द्वारा निम्न बीमारियों का बिना ऑपरेशन इलाज संभव गर्भाशय की गांठ, पाइल्स, पथरी (गुर्दे व पित की) प्रोस्टेट, थायराइड बच्चों के दांत आते वक्त की समस्या मोटापा, दाद, खुजली महिलाओं से संबंधित रोग पुरुषों से सम्बंधित रोग घुटनों का दर्द कील, मुहांसे, मस्से, झाइंया नींद नहीं आना ब्लड प्रेशर का सफल इलाज डॉ रवि खेमादा द्वारा सोनोग्राफी सेंटर सरकारी अस्पताल रोड मकराना में किया जा रहा है।

### रामलीला का शुभारंभ आज

**मदनगंज-किशनगढ,** (निसं)। बजरंग नवयुवक मंडल की और से बजरंग रंगमंच सावंतसर में 26 सितंबर से ग्यारह दिवसीय रामलीला का आयोजन होगा। अध्यक्ष श्यामसुंदर वैष्णव व संयोजक देवकिशोर गुर्जर, निर्देशक मुरलीधर वैष्णव ने बताया कि लोकप्रिय कलाकारों द्वारा सनातन संस्कृति को जीवित रखने के लिए व्यापक रूप से रामलीला आयोजन किया जा रहा है।प्रथम दिन शुभारंभ के साथ एक शाम श्रीराम रघुनंदन के नाम कार्यक्रम प्रस्तुत किया जायेगा। नवयुवक मंडल महामंत्री शिवराज पाटिल व कोषाध्यक्ष गणपत शर्मा ने बताया की पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, मार्बल एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर जैन, सभापति दिनेश सिहं राठौड, पंचायत समिति सदस्य सुदर्शन इन्दोरिया सलेमाबाद, समाजसेवी शशिकांत पाटोदिया, एडवोकेट राकेश शर्मा, पार्षद हिम्मत सिंह शेखावत, उगमाराम बालोटिया, बलराम सामरिया, सूरज चौधरी, नवरतन साहु, लक्ष्मी देवी अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। पांच अक्टूबर को विजयादशमी दशहरा महोत्सव मनाया जाएगा।

### हस्त निर्मित सामान की प्रदर्शनी कल

**मदनगंज-किशनगढ,** (निसं)। भाजपा मदनगंज मंडल के तत्वाधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर आयोजित सेवा पखवाडे के तहत 27 सितंबर को तेली मोहल्ला स्थित माहेश्वरी भवन मे महिला मोर्चा हाट बाजार का आयोजन किया जायेगा। प्रवक्ता रितु मंघनानी ने बताया हाट बाजार में घरेलू सामान उपलब्ध रहेगा। प्रभारी सुनीता रांदड, रितु मंघनानी, संतोष पारीक, नीतू बलदेवा, तरुणा जैन, सुनीता राठी, गुणमाला पाटनी ने त्यारियों को अंतिम रूप दिया।

### प्रभुजनों की सेवा कर आशीर्वाद

**अजमेर,** (कासं)। लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज के सदस्यों द्वारा लोहागल रोड स्थित अपना घर में रहवासी प्रभुजनों को सेवाएं देकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत की डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन आभा गांधी ने बताया कि क्लब सदस्य लायन प्रेमलता गर्ग के सहयोग से प्रभुजनों को मिष्ठानयुक्त भोजन कराया गया। क्लब सदस्यों ने उनके साथ समय व्यतीत कर उनकी आवश्यकताये भी जानी। इस अवसर पर लायन राजेन्द्र गांधी, लायन हनुमान गर्ग सहित अन्य उपस्थित थे। अपना घर व्यवस्थापक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

### संत हंसराज की पुण्यतिथि आज

**मसूदा** (निसं)। संत हंसराज महाराज की आठवीं पुण्यतिथि सोमवार को मनाई जाएगी। संत श्री हंसराज महाराज के शिष्य एवं आश्रम से जुड़े प्रभु सिंहबरावत व महाराज श्री के सतशिष्यों के अनुसार गुरुदेव श्री हंसराज जी महाराज की निर्वाण स्थली पर शिष्यों एवं श्रद्धालु भक्तों के द्वारा आज 26 सितंबर सोमवार को आठवीं पुण्यतिथि मनाई जाएगी। पुण्यतिथि के अवसर पर दिन में भंडारे का आयोजन किया जाएगा साथ ही प्रात: 9 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक सत्संग का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर अकल पुरीमहाराज की धूणी के महंत श्री नरेश गिरी जी महाराज एवं विभिन्न स्थानों से संत महात्माओं का आगमन होगा। संत हंसराज जी महाराज के शिष्यों ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओं को भंडारे एवं सत्संग में आमंत्रित किया है।

# गुटखा व्यापारी के अपहरण का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

**भीलवाडा,** (निसं)। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में गुटखा व्यापारी ललित कृपलानी अपहरण मामले में पुलिस ने रविवार को खुलासा करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर 9 बदमाशों की मामले में संलिप्तता का खुलासा किया है। इस वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने 15 दिनों तक व्यापारी की रैकी की थी।

एसपी आदर्श सिद्धू ने बताया कि गुटखा व्यापारी ललित कृपलानी के अपहरण मामले में पुलिस ने ओडो का खेडा निवासी सन्नी ओड उर्फ संदीप (19) पुत्र हजारी ओड, विजय सिंह पथिक नगर निवासी सत्तू माली (21) पुत्र भैरूलाल माली व बडा मंदिर सागानेर निवासी विजय सिंह (21) पुत्र मनोहर सिंह को गिरफ्तार किया है। वहीं इसके साथी विजय सिंह पथिक नगर निवासी राहुल पुत्र भैरूलाल माली, पंचवटी निवासी विनोद पुत्र भंवर सिंह, माली खेडा निवासी लक्ष्मण माली पुत्र मथुरालाल, सांगानेर निवासी कन्हैया पुरी पुत्र मदन पुरी, कोटडी निवासी लोकेश पुत्र रोशनसिंह व सांगानेर निवासी किशन पुरी पुत्र मदन पुरी की तलाश की जा रही है। एसपी सिद्धू ने बताया कि शास्त्री नगर निवासी 42 वर्षीय ललित कुमार कृपलानी गुटखा व्यापारी हैं। उनका ऑफिस भी शास्त्री नगर में घर के पास ही है। शनिवार दोपहर करीब 2 बजे वे अपने ऑफिस से घर पर बाइक से खाना खाने जा रहे थे।

सोनी हॉस्पिटल के पास पीछे से एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। कार में से 5 बदमाश उतरे और उन्हें जबरन बैठाकर ले गए। शाम 4 बजे ललित के पिता रमेश कृपलानी को कॉल पर बेटे को छोडने के लिए 5 करोड रुपए की फिरौती मांगी। परिजनों ने साढे 4 बजे शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने आसपास के सभी क्षेत्र में अलर्ट कर दिया और तीन घंटे में व्यापारी को मुक्त करवाकर 3 बदमाशों को गिरफ्तार भी कर लिया। कोतवाल मुकेश वर्मा ने बताया कि अपहरण को अंजाम देने वाले यह सभी बदमाश जेल में एक दूसरे के संपर्क में आए थे। जिसके बाद से यह बडी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में थे।

भीलवाड़ा पुलिस ने तीन घंटे में व्यापारी को मुक्त करवाकर तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

- 15 दिन रेकी के बाद दिया था वारदात को अंजाम, अन्य आरोपियों की तलाश जारी

इन्होंने व्यापारी ललित को बडा व्यापारी मानकर अपने टारगेट पर लिया था, लगातार 15 दिन रेंकी करने के बाद इन्होने वारदात को अंजाम दिया और आधे घंटे बाद ही बेटे के फोन से पिता को फोन कर 5 करोड की फिरौती मांगी, जिसके कारण 3 घंटे में आरोपी पुलिस की गिरफ्त के आ गए।

अजमेर के वार्ड 58 में सत्यनारायण मंदिर, पाल बिछला में गायों के लिए आयुर्वेदिक गुड, दलिए युक्त की लापसी बनाई गई। इसमें उन्हें रोगमुक्त करने के लिए दवाइयां डालकर लापसी तैयार की गई। आसपास के क्षेत्रों के गोपालकों को भी वितरित की की गई ओर शेष बची लापसी आइसोलेशन सेंटर, पृथ्वीराज नगर, माकडवाली रोड पहुंचाई जायेगी। कार्यक्रम मे जिला अध्यक्ष पूनम तंवर, प्रदीप चौहान, प्रदीप कुमार कच्छावा, राजेश चौहान, नेहा अलुदिया, भावना भाटी, हरिसिह गढवाल, गणेश टांक, रवि कछावा, रवि दगदी, नविन महावर, हिमांशु गहलोत, नरेंद्र चौहान, गोपाल गढवाल, लोकेश डारीवाल, महैन्द चौहान, गिरीश टांक, पवन गहलोत, उमेश तुन्दवाल, धर्मेंद्र टाक, कंचन चौहान, जय भाटी, वीरेंद्र चौहान, चन्दा चौहान, रामबाबू चौहान, सुरज चौहान, धर्मेद तंवर, गोपाल मालाकार उपस्थित थे।

# प्रसन्नता ही विकास के लिए जरूरी : मुनि संबुद्ध सागर

**अजमेर,** (कासं)। सम्यक चिंतन, समीचीन निर्णय प्रसन्न चित्त में ही संभव है, संकल्प-विकल्प आत्म विशुद्धि का घात कर कार्य की विफलता में सहायक बनते हैं, आत्म आह्लाद, चित्त प्रसन्नता सफलता की प्रथम सीढ़ी है, ये बातें मुनि संबुद्ध सागर महाराज ने रविवार को छोटा धडा नसियां में प्रवचन के दौरान कही।

मुनि श्री ने कहा कि चित्त प्रसन्नता से ही जीवन सुखद होता है, प्रसन्नता ही विकास के लिए आवश्यक है, निर्मल चित्त वाला ही विशिष्ट चरित्र का पालन कर सकता है, श्रेष्ठ कार्य के लिए चित्त की पवित्रता का होना आवश्यक है। अजमेर नगर में प्रथम बार 24 दिवसीय 24 तीर्थंकर महामंडल विधान का शुभारंभ मंगलवार 27 सितम्बर को श्री दि.जैन मुनि संघ सेवा समिति के तत्वावधान एवं मुनि संबुद्ध सागर व मुनि संविज्ञ सागर मुनिराज के सानिध्य में अजमेर नगर मे प्रथम बार 24 दिवसीय 24 तीर्थंकर महामंडल विधान पूजन व महान् व्यक्तित्व वर्णन प्रवचन श्रृंखला के मांगलिक आयोजन का शुभारंभ मंगलवार 27 सितम्बर को पंचायत छोटा धडा-नसिया में होगा।

समिति प्रवक्ता पदम चन्द सोगानी ने बताया मांगलिक कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिदिन प्रात: 7.30 बजे से मंगल कलश स्थापन, संगीतमय विधान पूजन, चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन, शास्त्र दान,पाद पक्षालन एवं मुनि संबुद्ध सागर द्वारा प्रतिदिवस एक-एक तीर्थंकर प्रभु के महान् व्यक्तित्व का वर्णन प्रवचन श्रंखला व साय:काल 7.15 बजे से तीर्थंकर प्रभु की महाआराधना, जाप्य स्तवन व संगीतमय महाआरती का अनुपम आयोजन होगा।

## श्री बाबाधाम पर सजा माँ का दरबार

**भीलवाडा,** (निसं)। मेवाड की पवित्र पावन धरती पर औद्योगिक व धर्म नगरी भीलवाडा में श्रद्धा आस्था व सबूरी का प्रतीक माँ अन्नपूर्णा श्री बाबाधाम शक्तिपीठ पर विशेष नवरात्रा महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत शक्तिपीठ को मनोरम लाईटों, झण्डियों, चुन्नर, डेकोरेशन रंग बिरंगी झिलमिलाती फरियों व फूलों से सजावट की गयी तथा मां के दरबार में गरबा नृत्य हेतु गरबा पाण्डाल को सुज्जित किया गया तथा व्यवस्थित ढ़ंग से सभी भक्तजनों को दर्शन हो सके ऐसी व्यवस्था श्री बाबाधाम परिवार के सेवादारों द्वारा की गयी।

सोमवार को दोपहर 11.15 बजे से श्री बाबाधाम के पं. योगेन्द्र शर्मा, पं. शिवप्रकाश जोशी, पं. गोविन्द गौतम द्वारा मंत्रोच्चारण व विधी विधान के साथ हवन पूजन होगा व 12.05 बजे घट स्थापना की जायेगी। नवरात्रा महोत्सव में प्रतिदिन सुबह 7.30 बजे आरती होगी। उसके बाद प्रात: 9.15 बजे श्री बाबाधाम के आचार्य श्री योगेन्द्र जी शर्मा, आचार्य पं. श्री शिवप्रकाश जोशी व अन्य पंडितो के द्वारा मंत्रोच्चारण द्वारा हवन पूजन व आहूतियां प्रतिदिन दी जायेगी। नवरात्रा में प्रतिदिन माताजी का विशेष अलग-अलग श्रृंगार किया जायेगा।

# सरकार की योजनाओं से अल्पसंख्यक समुदाय लाभांवित : पारस पंच

**ब्यावर** (निसं)। राजपूताना मोहम्मद अली मेमोरियल उच्च माध्यमिक ट्रस्ट सोसायटी की ओर प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान के सदस्य पारस पंच का स्वागत समारोह समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पीसीसी सदस्य पंच का ट्रस्ट सोसायटी की ओर से अध्यक्ष पप्पू काठात कर्बला मार्ग, उपाध्यक्ष अब्दुल मजीद कुरेषी, सचिव अब्दुल सलीम मंसूरी, सहसचिव मोहम्मद हनीफ सोरगर, कोषाध्यक्ष हाजी गुलाम सरवर, सहकोषाध्यक्ष अब्दुल रउफ, संरक्षक हाजी मोहम्मद हनीफ छीपा, सदस्य इब्राहीम खान, सलीम कुरेषी, ताजुद्दीन शेख, हाजी रोशन काठात, जहूर अहमद, हारून पार्षद, प्रधानाचार्य डॉ.अनीस अहमद आदि ने 21 किलो की माला, साफा पहनाकर एवं स्मृतिचिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीसीसी सदस्य पंच ने कहा राजस्थान की कांग्रेस निहित सरकार आमजन की सरकार है। सरकार की योजनाओं से अल्पसंख्यक समुदाय को संबल मिला है। वर्तमान में सरकार कई योजनाएं चलाकर अल्पसंख्यकों को लाभांवित कर रही है। उन्होने विश्वास दिलाया कि हमेशा ट्रस्ट एवं मुस्लिम समाज के हितों के लिए प्रयासरत रहेगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रस्ट अध्यक्ष पप्पू काठात एवं उपाध्यक्ष कुरैशी ने ट्रस्ट की ओर से संचालित शैक्षिणक गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देते हुए ट्रस्ट की ओर से कक्षा 1 से 12 तक की बालिकाओं को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है।

आगामी दिनो में इसे और ज्यादा बढाने के प्रयास किए जाऐगे। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान चीता मेहरात काठात महासभा अध्यक्ष रमेश काठात, सचिव इब्राहीम काठात, करणाजी डांग अध्यक्ष दीन मोहम्मद, कोषाध्यक्ष रसूल काठात, संरक्षक रोशन जालिया, गाजी डांग अध्यक्ष सायर काठात, पूर्व अध्यक्ष इस्माईल काठात लसाडिया, पूर्व सरपंच सम्मा काठात, पंचायत समिति सदस्य प्रताप काठात, हाजी बशीर मोहम्मद, नवयुवक मंडल अध्यक्ष रज्जाक काठात, शौकीन काठात, शौकत मंसूरी, सिकन्दर मंसूरी, अब्दुल सलाम मंसूरी, हाजी हारून सिलावट, फिरोज सिलावट, मोईनुद्दीन शेख, महेन्द्र काठात, हाकिम काठात, बाबू काठात, सिकन्दर काठात, प्रेम काठात, पर्वतसिंह, मेघवाल महासभा अध्यक्ष हजारीलाल भाटी, चेतन भट्ट, हनुमान सांखला, मोहम्मद अयूब दाउदी, गुलजार राही, कैलाष काठात, सलीम सोनी, सलीम काठात, रोषन काठात, अमीन काठात, हाकम फतहगढ, मेवा काठात, सोहन फौजी, बीरम, बिरदा खान, इस्माईल सालाकोट, शाकिर मेव, शौकीन काठात, शैतान वार्ड पंच फतहगढ आदि मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी राजस्थान के सदस्य पारस पंच का साफा पहनाकर एवं स्मृतिचिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

- मोहम्मद अली ट्रस्ट की ओर से पीसीसी सदस्य का अभिनंदन

# शिविर में युवाओं ने 237 यूनिट रक्तदान किया

**बांदनवाड़ा,** (निसं)। कस्बे में रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन गांव रूपपुरा निवासी स्व नाथूलाल चोपड़ा की याद में किया गया। शिविर में 237 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। अजय बहादुर चोपडा ने बताया कि इस शिविर का आयोजन उनके पिता स्व. नाथूलाल चोपड़ा की द्वितीय पुण्यतिथि में भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। शिविर की शुरुआत सरवस्ती माता की तस्वीर पर द्वीप प्रज्वलित करके व सामूहिक राष्ट्रगीत के साथ हुई, तदउपरांत स्व नाथूलाल चोपड़ा की तस्वीर पर गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

रक्तदान शिविर में भाग लेने के लिए बांदनवाड़ा, पड़ांगा, देवपुरा, रूपपुरा, अमरगढ़ के युवा उमड़ पड़े। आमजन से लेकर वीआईपी सबने शिविर में भाग लेकर पूर्व सरपंचव समाजसेवी को श्रद्धांजलि दी। इस दोरान युवाओं में रक्त दान करने की होड़ लगी रही। समारोह में रक्तदाताओं द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान करने पर उन्हें आयोजनकर्ता चोपडा परिवार ने भगवा दुपट्टा ओढ़ाया व प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बलराम चौधरी अजमेर, महावीर जाट मोखमपुरा, युवा नेता शिवराज सिंह पलाडा, भंवर सिंह राठौड़, किशन गोपाल परिहार, प्रिंस जैन, पूर्व उपप्रधान ललित लोढ़ा, देवपुरा सरपंच प्रतिनिधि रामस्वरूप, कराटी सरपंच प्रतिनिधि जीवराज जाट, बुबकिया सरपंच गणपत ग्वाला, सत्यनारायण भगवान मेला कमेटी अध्यक्ष जयमल रहलानी, शेरगढ़ सरपंच देशराज जाट, भेरू लाल चोपड़ा, रामनारायण जांदू, पूर्व सरपंच विक्रम सिंह राठौड़, सुनील जांगिड़, आशुतोष पारीक, सुरेश तिवाड़ी, पुखराज राड, महादेव चोयल, संजय सिंह, उमराव जाट, जय सिंह फड़ोलया बीजा लाल गुजर सिंगावल, सिंगावाल सरपंच रघुनाथ गुर्जर, छछुंदरा सरपंच प्रतिनिधि हरदयाल गुर्जर, राजकुमार जाट, विश्व देव कुमावत, रंगलाल गुर्जर, दुदाराम गुर्जर अर्जुनपुरा, दयाल गुर्जर बगराई, गिरधारी गुर्जर कीटाप, जयसिंह राठौड़ कीटाप, दीपक सेन, चन्द्र प्रकाश टेलर, अशोक टेलर, मुकेश हिंगड़, मोनू शर्मा, देवेंद्र शर्मा, दिनेश तिवाड़ी, संजय तेबड़ा, शिवराजगुर्जर, अशोक वैष्णव,धर्मी चंद गुर्जर अर्जुनपुरा, नारायण सिंह, दशरथ भाटी, संजय टेबड़ा, निर्मल जैन ,देवा जांदू, सुखपाल जाट राममालिया, अमित तिवाड़ी, मनीष छीपा एडवोकेट, रामसुख गुर्जर पत्रकार, रणबीर जाट, नितिन वैष्णव, ललित जाट, गजराज जाट, ऋषिराज सिंह, रामराज जांगिड़ , गजराज चोपडा, कैलाश चोपडा, प्रभु, देशराज चौधरी, दिनेश चौपड़ा, योगेंद्र सिंह राठौड़ सोलखुर्द, आनंद कुमावत, भागचंद चौधरी, जयसिंह सेन, सुरेन्द्र सिंह कराटी, जय सिंधी, अरविन्द टांक,नरेन्द्र गँवारिया, राजू बंजारा, गोरधन जाखड़, विक्रम मीणा दिनेश हिन्दू, सुरेन्द्र जाट पडागा आदि मौजूद रहे।

गांव रूपपुरा निवासी स्व. नाथूलाल चोपड़ा की याद में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

- रक्तदाताओं का किया सम्मान, राष्ट्रगीत से हुई शिविर की शुरूआत

## सार-समाचार

### शिविर में 280 रोगियों की नेत्र जांच

**मदनगंज-किशनगढ,** (निसं)। लायन्स क्लब किशनगढ क्लासिक के तत्वाधान में आर के मार्बल ग्रुप के आर्थिक सहयोग से सूरज देवी पाटनी सभागार में आयोजित नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 280 नेत्र रोगियों की जांच की गई। सचिव रमाकांत काबरा ने बताया की शिविर में 85 रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के उपयुक्त पाया गया। सभी को नेत्र लैंस प्रत्यारोपण के लिए शंकर आई होस्पीटल जयपुर भेजा गया। नेत्र लैंस प्रत्यारोपण के साथ जयपुर आने जाने के लिये बस व्यवस्था सहित सभी व्यवस्था शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के सौजन्य से निशुल्क रहेगी। रीजन चेयरपर्सन कमल शर्मा, जोन चेयरपर्सन वीरेंद्र पाठक ने शिविर का अवलोकन किया। आर के मार्बल ग्रुप के सीए सुभाष अग्रवाल ने शिविर का निरीक्षण कर नेत्र रोगियों से कुशलक्षेम पूंछी। लायंस क्लब अजमेर अध्यक्ष ओएस माथुर अजमेर वेस्ट अध्यक्ष अमितप्रभा शुक्ला ने सहभागिता निभाई। क्लब की विनीता मेहता ने अजमेर वेस्ट अध्यक्ष अमित प्रभा शुक्ला का स्वागत किया। अध्यक्ष रोहित मेहता ने 11 अक्टूबर को स्व. नवीन अग्रवाल के जन्म दिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में पूर्ण सहयोग की अपील की। इस दौरान क्लब विनीता मेहता, ममता जैन, पदम जैन, राकेश ओसवाल, पंकज गोयल, पंकज बंसल, संकल्प गोयल, मुकेश जैन, अजय गंगवाल, अविनाश पाटनी, अशोक गंगवाल, अनिल शर्मा, चन्द्रकान्त अजमेरा, मनोज गोधा, सीए सुशील बंसल सहित आरके पाटनी गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं के अलावा स्काउट प्रभारी विरेंद्र शर्मा ने विशेष सहयोग किया। संचालन राकेश ओसवाल ने किया।

### दृष्टि बाधित बच्चों के साथ मनाया जन्मदिन

**पुष्कर** (निसं)। फाउंडेशन फियोर दी लोटो इंडिया की संस्थापिका मारा सांद्री का जन्म दिवस रविवार को अपना घर मूक बधीर एवं दृष्टि बाधित आवासीय विद्यालय कोटडा अजमेर के बच्चों के साथ मनाया। इस अवसर पर मारा सांद्री ने विद्यालय में अध्यनरत 97 छात्र छात्राओं को विद्यालय गणवेश जूते मोजे कलर और पेस्टी वितरित की गई। इस अवसर पर फाउंडेशन फियोर दी लोटो के अध्यक्ष दीपु महर्षि, लक्ष्मी महर्षि,पार्षद विष्णु सैन रोशन कुमार मिश्रा, विनोद शर्मा गोविन्द राम माली, आर्यन महर्षि अक्षत महर्षि वर्षा महर्षि रहे उपस्थित। इसी कड़ी में फाउंडेशन द्वारा संचालित सिलाई प्रशिक्षण शिविर की 20 प्रशिक्षणार्थी महिला बालिकाओं को 1500 रुपए प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को चेक वितरित किया गया। गौरतलब है कि मारा की संस्था की ओर से हजारों बालिकाएं निशुल्क शिक्षा ग्रहण कर रही है।

### किशनलाल माली बने अध्यक्ष

**अरॉंई** (निसं)। अरॉंई ग्राम सेवा सहकारी समिति के चुनाव रविवार को सम्पन्न हुए। जिसमें अरॉंई ग्राम सेवा सहकारी समिति की चुनाव प्रभारी मोनिका पंचोली व अजमेर जोनल सहकारिता विभाग आशा देवी ने निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष व उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण को प्रमाण पत्र देकर शुभकामनाएं दी। चुनाव प्रभारी ने चुनाव के परिणामों की सूचना देते हुए बताया कि अरॉंई ग्राम सेवा सरकारी समिति में किशनलाल माली अध्यक्ष, जालम उपाध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। चुनाव में विजेताओं को साफा व माला व मुंह मीठा करवा बधाई दी गई। इसी अवसर पर शंकरपुरी गोस्वामी (व्यवस्थापक), जयकिशन लक्षकार जेठू लाल शुभम गोस्वामी भंवरगोपाल गोड़, हनुमान गौरेली, अरॉंई सरपंच रामस्वरूप नायक, मदन गोपाल गौड़, रामधन जाट, कौशलेंद्र सिंह, रामधन माली, अविनाश दाधीच, कमलेश गोड, सुभाष माली, शिवजी माली, राकेश खाती एवं सभी ग्राम सेवा सहकारी समिति के नवनिर्वाचित सदस्य मौजूद थे। सभी ने मिलकर निर्विरोध प्रत्याशियों को निर्वाचित होने पर शुभकामनाएं दी।

### बिहार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खान ने दरगाह जियारत की

**अजमेर,** (कासं)। बिहार सरकार के ल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. जमा खान ने रविवार को सूफी संत ख्वाजा साहब की दगराह में जियारत व इबादत कर अमन चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। मंत्री के प्रतिनिधि खादिम ने उन्हें जियारत कराई और दरगाह का तबर्रुक भेंट दिया। विश्व प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में रविवार को बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मंत्री मो.जमा खान ने जियारत की। दरगाह के खादिम सैयद अनवर फरीदी ने जियारत कराई और दरगाह का तबर्रुक भेंट किया। जियारत के बाद मंत्री मो.खान ने देश व प्रदेश में अमन चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। मीडिया से बातचीत करते हुए अल्पसंख्यक मंत्री मो. जमा खान ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के लिए 17 सालों में शानदार काम किए हैं, हमारे यहां आवासीय विद्यालय में बच्चे नि:शुल्क पढ़ाई करते हैं, प्रत्येक जिले के अंदर एक आवासीय विद्यालय है। आवासीय विद्यालय करीब 50 करोड़ की लागत से तैयार होता है अभी 4 जिलों में ऐसे आवासीय विद्यालय बनाए जा चुके हैं तथा अन्य जगहों पर काम चल रहा है। उन्होंने बताया कि बच्चे और बच्चियों के लिए रहने की व्यवस्था बहुत ही अच्छी है, हमारे यहां बच्चा और बच्ची अलग-अलग रहते है, उसके लिए हर जिले में दो-दो हॉस्टल बनाया जा रहा है, इसमें बच्चे और बच्चियां अलग अलग पढ़ाई कर सकें। विद्यार्थियों सभी सुविधाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हे, जिसमें खाने, रहने व पढ़ाई का खर्चा अल्पसंख्यक विभाग द्वारा उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब से प्रदेश की कमान संभाली है, तब से बच्चों की शिक्षा के स्तर पर काफी सुधार आया है, साथ ही विद्यार्थियों के लिए कोचिंग की व्यवस्था भी की गई है। पटना में 660 कोचिंग है, जिसमें पढ़ाई कर बच्चे कामयाब होते हैं और इसका सारा खर्चा सरकार ही उठाती है। मंत्री खान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मदरसे को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहले ही कहा था, मदरसे में शिक्षा को लेकर पढ़ाई होती है, मदरसे में बच्चों को जीवन जीने के तरीके बताए जाते हैं और तौर तरीके सिखाए जाते हैं। साथ ही प्रदेश के 2 लाख बच्चों को छात्रवृत्ति मिलती है, जिसे आगे बढ़ाने के लिए सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि बिहार वक्फ की कई जगह जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है और आगे भी जमीनों पर हो रहे अतिक्रमण को जल्द हटा कर अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा।

# गहलोत सरकार के अंतर्कलह की आड़ में कांग्रेस और समर्थित विधायक भ्रष्टाचार में लिप्त : राठौड़

## 'थानागाजी विधायक के पुत्रों को 5 लाख की रिश्वत लेते हुए एसीबी के द्वारा रंगे हाथों पकड़े जाना इस बात का सबूत है'

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस एवं उसके समर्थित विधायक सरकार में चल रहे अंतर्कलह की आड़ में मिनी मुख्यमंत्री बनकर संस्थागत भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। राठौड़ ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से रूबरू होकर यह आरोप लगाए।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान सरकार अपने घोषणा पत्र में भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टोलरेंस और पारदर्शिता में पूर्ण रूप से विफल रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के शासन में भ्रष्टाचार की बेल अब भ्रष्टाचार का बड़ा वृक्ष बन चुकी है। गहलोत सरकार के चौथे वर्ष में संस्थागत भ्रष्टाचार चरम पर है और थानागाजी विधायक के पुत्रों को 5 लाख की रिश्वत लेते हुए एसीबी के द्वारा रंगे हाथों पकड़े जाना, इस बात का सबूत है कि कांग्रेस

- **उपनेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि थानागाजी में कांग्रेस नेताओं के रिश्तेदार ने टहला तहसील में 2500 बीघा जमीन अवैध तरीके से नियमों को ताक पर रखकर अपने नाम करवा ली**

तथा समर्थित विधायक सरकार में चल रहे अंतरकलह की आड़ में मिनी मुख्यमंत्री बनकर संस्थागत भ्रष्टाचार में लिप्त है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में एसएफसी और टीएफसी की राशि से होने वाले विकास कार्यों में ठेकेदारों से अनुबंध के आधार पर मिलीभगत और थानागाजी क्षेत्र में पूर्व में 300 से 400 मीटर तक ट्यूबवेल खोदे गए, किंतु 1000 मीटर गहराई का पैसा उठाया गया। परिवादी ठेकेदार फर्म अंजली बोरवेल में स्थानीय विधायक कांति लाल मीणा के रिश्तेदार दीपक मीना और जमवारामगढ़ विधायक की रिश्तेदार लक्ष्मी मीणा ने अनुबंध कर रखा था। रुकमणी बोरवेल कंपनी में एक सरकारी अधिकारी महेंद्र मीणा (सीडीपीओ) द्वारा ठेके ले रखा था। इस प्रकरण की मामले की उच्च स्तर पर निष्पक्ष जांच होगी तो कई रसूखदार लोगों की कलई खुलेगी।

राठौड़ ने कहा कि थानागाजी में कांग्रेस नेताओं के रिश्तेदार ने टहला तहसील में 2500 बीघा अवैध तरीके से नियमों को ताक पर रखकर जमीन को अपने नाम करा ली गई। इस प्रकार गहलोत शासन में पूरे राजस्थान में पंचायती राज विभाग में खुल्ली लूट का खेल चल रहा है। प्रदेश भाजपा मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने बताया कि राजस्थान की वर्तमान सरकार अपनी कुर्सी बचाने के लिए प्रदेश की संपदा और जनता के टैक्स के पैसे को लूटने का काम कर रही है, प्रदेश के विधायक और उनके करीबी गहलोत सरकार के नाम पर जम कर भ्रष्टाचार कर रहे हैं।

### कांग्रेस में जारी अंतर्द्वंद्व का संघर्ष अंतहीन

**जयपुर** (कासं)। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस में जारी अंतर्द्वंद्व का संघर्ष अंतहीन है। राठौड़ ने कहा कि जुलाई-2020 के बाद अब एक बार फिर कौरवों की 'ए' और 'बी' टीम आमने-सामने है और जादूगर की जादूगरी में सिर-फुटौवल चरम पर है। राजस्थान की जनता को फिर से भगवान भरोसे छोड़ दिया है। शह और मात के इस खेल में जीत का सेहरा किसी के भी सिर सजे, लेकिन हार तो 7 करोड़ प्रदेशवासियों की भावनाओं और विश्वास की ही होगी।

# छोटी चौपड़ से पीसीसी तक निकाली 'भारत जोड़ो यात्रा'

**जयपुर** (कासं)। राष्ट्रीय एकता व सद्भावना कायम रखने और देश में बढ़ती महंगाई व बेरोजगारी के विरोध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कन्या कुमारी से कश्मीर तक "भारत जोड़ा यात्रा" का असर जयपुर में भी दिखने लगाया। पूर्व महाधिवक्ता गिरधारी सिंह बापना के नेतृत्व में जयपुर में बीते दो सप्ताह से यह यात्रा जयपुर में भी निकाली जा रही है।

सयोजक रुपिन काला एडवोकेट ने बताया कि रविवार को भारत जोड़ो यात्रा छोटी चौपड़ से प्रदेश कांग्रेस कार्यालय तक निकाली गई। इसमें शामिल हुए लोगों ने तिरंगा झण्डा, बैनर-फ्लैग लेकर रैली निकाली और राजीव गांधी की स्टेच्यू पर माल्यार्पण किया गया। यात्रा में स्थानीय विधायक अमीन कागजी, पूर्व मेयर ज्योति खण्डेलवाल, जी एस बाफना, रूपिन काला, सुनील कुमार शर्मा, विभूति भूषण शर्मा, राजेन्द्र यादव, घनश्याम सिंह शेखावत, गणेश परिहार, कुसुम जैन, कटेवा, प्रदीप कलवानिया, कुलदीप पुनिया, संत कुमार जैन, जसवन्त गुर्जर, मोहित सोनी, शेर सिंह महला, भगवत सिंह, बीना कुमारी, चन्द्रगुप्त चौपड़ा, मानव मिश्र, मंगल सैनी, बाबू लाल, विनोद जैन, हरिकिशन सैनी समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए।

# 'तीन सौ से ऊपर कैल्शियम स्कोर तो हार्ट के लिए खतरा'

## जयपुर में चल रही नेशनल हार्ट कॉन्फ्रेंस 'राज सीएसआईकॉन-22' का रविवार को समापन हुआ

**जयपुर,**(कासं)। हर साल हार्ट अटैक से 90 लाख लोगों की मौत हो जाती है। हालांकि अब हार्ट अटैक होने से पहले ही इसके खतरे को भांपा जा सकता है, लेकिन जागरुकता की कमी के कारण

- **देशभर से आए नामी विशेषज्ञों ने साझा की हार्ट डिजीज और उनके इलाज की नई तकनीक की जानकारियां**

लोग इसकी जांच नहीं करवाते। सीटी एंजियोग्राफी द्वारा कैल्शियम स्कोर मालूम करके हार्ट अटैक के संभावित खतरे को भांपा जा सकता है। अगर यह स्कोर 300 से ऊपर जाए तो समझ लेना चाहिए कि दिल के लिए खतरा है।

जयपुर में चल रही नेशनल हार्ट कॉन्फ्रेंस में यूएसए से ऑनलाइन जुड़े अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग के डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने यह जानकारी दी। कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के राजस्थान चैप्टर द्वारा आयोजित दो दिवसीय नेशनल हार्ट कॉन्फ्रेंस, 'राज सीएसआईकॉन-22' का रविवार को समापन हुआ। डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा ने बताया कि जेनेटिक कारणों से एशियन और वेस्टर्न लोगों की शारीरिक बनावट में अंतर है।

वेस्टर्न लोगों के मुकाबले एशियन लोगों के हार्ट की नसें भी पतली होती हैं। ऐसे में कोरोनरी हार्ट डिजीज एशिया के लोगों में 10 साल पहले ही आ जाता है। दिल्ली के डॉ. बलबीर सिंह ने हार्ट फेलियर के उपचार में सीआरटी में ईसीजी के महत्व के बारे में बताया। डॉ. विजय त्रेहान ने बैलून माइट्रल वॉल्व की जानकारी दी। हैदराबाद से आए डॉ. सूर्यप्रकाश राव और डॉ. कब्बादी एवं चेन्नई के डॉ. शरत रेड्डी ने जटिल एंजियोप्लास्टी के बारे में अपने अनुभव साझा किए। कॉन्फ्रेंस के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. एस.एम शर्मा ने बताया कि दो दिन के आयोजन में हार्ट डिजीज के इलाज में हो रहे नए शोध, उपचार तकनीकों से संबंधित पत्र वाचन किए गए। इस दौरान 50 से अधिक प्रजेंटेशन हुए जिसमें 15 रिसर्च पेपर पढ़े गए। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल व कॉन्फ्रेंस के साइंटिफिक चेयरमैन डॉ. राजीव बगरहट्टा ने बताया कि दूसरे दिन अलग-अलग सत्रों में स्ट्रक्चरल हार्ट डिजीज, इलेक्ट्रोफीजियोलॉजी, इमेजिंग से जुड़ी प्रजेंटेशन और केस स्टडी की जानकारी दी गई। कॉन्फ्रेंस के आयोजन में डॉ. सुनील कुमार जैन, डॉ. सोहन शर्मा, डॉ. सरिता चौधरी, डॉ. प्रदीप मीणा, डॉ. ओपी खोजा सहित अन्य का विशेषज्ञ सहयोग रहा।

### श्रील प्रभुपाद के आश्रय समारोह में उमड़े श्रद्धालु

**जयपुर।** जगतपुरा के श्रीकृष्ण-बलराम मंदिर में आयोजित श्रील प्रभुपाद आश्रय समारोह में देश-विदेश से सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। सभी ने दैनिक जीवन में आध्यात्मिक गतिविधियों को जोड़ने का संकल्प लिया। साथ ही प्रतिदिन हरे कृष्ण महामंत्र की निश्चित मात्रा में जप तथा भगवद्गीता यथा रूप का अध्ययन करने का भी संकल्प लिया। समारोह में ऑनलाइन उपस्थिति विश्व के कई भागों से देखने को मिली। मंदिर के भक्तों के मार्गदर्शन और संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद जी की प्रेरणा एवं भगवान श्री कृष्ण के आशीर्वाद से यह सब संभव हो पाया। मंदिर के अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया कि हरे कृष्ण मूवमेंट ने जीवन के मूल्यों के असंतुलन को सही करने के लिए सभी लोगों को शिक्षित एवं सकल्पित करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया।

# एलएमएनआईटी कॉलेज में करंट से युवक की मौत

**जयपुर** (कासं)। जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके स्थित एलएमएनआईटी कॉलेज में करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, मामले में मृतक के पिता ने कॉलेज डायरेक्टर और मेस ठेकेदार के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। थानाधिकारी सत्यपाल यादव ने बताया कि मृतक विपिन कुमार (26) पुत्र विजेंद्र सिंह गांव रतिमानपुर, सिकन्दराऊ जिला हाथरस, यूपी का रहने वाला था। वह यहां एलएमएनआईटी कॉलेज में मेस में बच्चों का खाना बनाता था। घटनाक्रम के मुताबिक 23 सितंबर की शाम करीब 4 बजे वह नहा कर एंगल पर कपड़े सुखा रहा था। इस दौरान कॉलेज परिसर में पड़े बिजली के नंगे तारों की चपेट में आ गया, जिससे करंट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया और मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी। मृतक विपिन के परिजन आने पर शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं मृतक विपिन के पिता विजेंद्र ने कॉलेज डायरेक्टर राहुल बनर्जी और मेस ठेकेदार रवि रंजन के खिलाफ लापरवाही से मौत का मुक़दमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

### पदों के पुनर्गठन को मंजूरी

**जयपुर।** कौशल नियोजन एवं उद्यिमता विभाग में पदों के पुनर्गठन तथा 11 नए पदों के सृजन के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंजूरी दी है। इनमें संयुक्त निदेशक के तीन, उप निदेशक के छह एवं सहायक निदेशक के दो नवीन पद शामिल हैं। श्री गहलोत के इस निर्णय से विभाग के अधिकारियों को पदोन्नित के समुचित अवसर मिलेंगे। साथ ही रोजगार कार्यालयों में बेरोजगार आशार्थियों का पंजीयन, मुख्यमंत्री युवा संबल योजना का संचालन व रोजगार मेलों का आयोजन सुगमता से हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने बजट 2022-23 में विभिन्न सेवाओं/कैडर के कार्मिकों के लिए पदोन्नित के समुचित अवसर प्रदान करने के लिए आवश्यकतानुसार पुनर्गठन तथा प्रमोशनल पोस्ट की संख्या में वृद्धि करने की घोषणा की थी और इसकी अनुपालना में मुख्यमंत्री द्वारा यह मंजूरी दी गई है।

### राष्ट्रीय खेलों में भाग ले रहे खिलाड़ियों को पीएम मोदी ने दी शुभकामनायें

नयी दिल्ली 25 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 सितंबर से गुजरात में शुरू हो रहे राष्ट्रीय खेलों (नेशनल गेम्स) में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों को आज शुभकामनायें दीं। मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित हो रहे अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 93वीं कड़ी के माध्यम से यह शुभकामनायें दी है। उन्होंने कहा कि 29 सितम्बर से गुजरात में इसका आयोजन होने जा रहा है। ये बड़ा ही ख़ास मौका है, क्योंकि इसका आयोजन, कई साल बाद हो रहा है। कोविड महामारी की वजह से पिछली बार के आयोजनों को रद्द करना पड़ा था। प्रधानमंत्री ने इस खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले हर खिलाड़ी को शुभकामनाएं देते हुए कहा इस दिन खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए मैं उनके बीच में ही रहूँगा। आप सब भी इससे जरूर जुड़े और अपने खिलाड़ियों का हौसला बढाएं।

### दिल्ली एफसी ने खिताबी उम्मीदों को जिंदा रखा

नयी दिल्ली, 25 सितंबर। दिल्ली एफसी ने रविवार को कृष्णा पांडे और फहाद तैमूरी के गोलों की बदौलत रॉयल रेंजर्स को 2-1 से हराकर पहली प्रीमियर लीग का खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। फहाद तैमूरी को उनके दर्शनीय गोल के लिये मैन ऑफ द मैच चुना गया। दिन के दूसरे मैच में सुदेवा ने तरुनसंघा को शिकस्त सौंपी। खेलो इंडिया महिला लीग में, हॉप्स क्लब ने ग्रोइंग स्टार को 5-0 से पराजित करके अपने विजय अभियान में एक और कामयाबी जोड़ी। विजेता के गोल संतोष (दो), समीक्षा, पूजा और तन्नू ने किये। दिन के दूसरे मैच में हंस क्लब ने लक्ष्मी, आशा थापा और अनिता के गोलों से ईव्स को 3 -1 से परास्त किया। पराजित टीम का गोल यति मेहता ने किया।

### सैमसोनोवा ने झेंग को हराकर दो महीने में तीसरा डब्ल्यूटीए खिताब जीता

तोक्यो, 25 सितंबर। रूस की लियूडमिला सैमसोनोवा ने रविवार को यहां चीन की झेंग किनवेन को 7-5, 7-5 से हराकर दो महीने के अंदर अपना तीसरा डब्ल्यूटीए खिताब हासिल किया।

विश्व रैंकिंग में 30वीं रैंकिंग की सैमसोनोवा ने अगस्त में वाशिंगटन और क्लीवलैंड में ट्राफी जीती थी। वह अमेरिकी ओपन के भी चौथे दौर तक पहुंची थीं। 23 साल की खिलाड़ी ने अपने पिछले 19 में से 18 मैच जीते हैं और तोक्यो में एक भी सेट नहीं गंवाया। सैमसोनोवा ने कहा, "यह शानदार है। मुझे लगता है कि मुझे इसे महसूस करने में थोड़ा और समय लगेगा लेकिन यह अविश्वसनीय है।

### मणिपुर, झारखंड सुब्रतो कप अंडर-17 महिला फाइनल में

नयी दिल्ली, 25 सितंबर। वांगोई हायर सेकेंडरी स्कूल (मणिपुर) और सेंट पैट्रिक हाई स्कूल (झारखंड) ने रविवार को 61वें सुब्रतो कप के अंडर-17 बालिका वर्ग फाइनल में जगह बनायी।

# भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हराया, श्रृंखला 2-1 से जीती

हैदराबाद, 25 सितंबर। भारत ने सूर्यकुमार यादव (69) और विराट कोहली (63) के दमदार अर्द्धशतकों के बाद हार्दिक पांड्या (25 नाबाद) की विस्फोटक पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टी20 मैच में रविवार को छह विकेट से मात देकर तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीती। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 187 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे भारत ने एक गेंद शेष रहते हुए हासिल कर लिया।

सूर्यकुमार ने 36 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की बदौलत ताबड़तोड़ 69 रन बनाये जबकि कोहली ने 48 गेंदों पर तीन चौकों और चार छक्कों के साथ 63 रन की पारी खेली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 104 रन की विशाल साझेदारी करके भारत को जीत के करीब पहुंचाया और हार्दिक ने 20वें ओवर की पांचवीं गेंद पर चौका लगाकर भारत को जीत दिलायी।

ऑस्ट्रेलिया को 186 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचाने के लिये कैमरन ग्रीन (52) और टिम डेविड (54) ने विस्फोटक अद्धशतक जड़े थे लेकिन सूर्यकुमार-विराट की जोड़ी ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। ग्रीन ने 21 गेंदों पर सात चौकों और तीन छक्कों की बदौलत 52 रन बनाये जबकि टिम डेविड ने 26 गेंदों पर दो चौकों और चार छक्कों के साथ 54 रन की पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल पहले ही ओवर में एक रन बनाकर पवेलियन लौट गये। कप्तान रोहित शर्मा ने जॉश हेजलवुड को छक्का लगाकर आक्रामकता दिखायी लेकिन वह भी दो चौकों और एक छक्के के साथ 17(14) रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद सूर्यकुमार और विराट ने भारतीय पारी को संभाला और शतकीय साझेदारी से कंगारुओं के हौसले पस्त कर दिये। सूर्यकुमार ने 13वें ओवर में ऐडम ज़ैम्पा की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अद्धर्शतक पूरा किया, हालांकि वह 14वें ओवर में छक्का लगाने के प्रयास में बाउंड्री पर कैच आउट हो गये। इसके बाद कोहली और हार्दिक ने चौथे विकेट के लिये 32 गेंदों पर 48 रन की साझेदारी की। भारत को आखिरी ओवर में 11 रन चाहिये थे। विराट पहली गेंद पर छक्का लगाकर दूसरी गेंद पर बाउंड्री पर कैच आउट हो गये, जिसके बाद हार्दिक ने ओवर की पांचवीं गेंद पर चौका लगाकर भारत की विजय पताका लहराई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से डैनियल सैम्स ने 3.5 ओवर में 33 रन देकर दो विकेट लिये जबकि हेजलवुड और पैट कमिंस ने अपने-अपने चार ओवर के कोटे में 40 रन देकर एक-एक विकेट लिया। कैमरन ग्रीन ने तीन ओवर में 14 रन दिये लेकिन उन्हें कोई विकेट हासिल नहीं हुआ।इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और ग्रीन पहली गेंद से ही आक्रामक नजर आये। उन्होंने पहले ओवर में भुवनेश्वर कुमार का स्वागत एक चौके और एक छक्के के साथ किया। कप्तान ऐरन फिंच (07) के तीसरे ओवर में पवेलियन लौटने के बावजूद ग्रीन ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए चौथे ओवर में ही टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा दिया। ग्रीन ने 19 गेंदों पर अपना अद्धर्शतक पूरा किया लेकिन दो गेंदों बाद भुवनेश्वर कुमार का शिकार हो गये।

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने तेजी से विकेट गंवाये। ग्लेन मैक्सवेल (06), स्टीव स्मिथ (09) और मैथ्यू वेड (01) बड़ा योगदान नहीं दे सके। जॉश इंग्लिस ने 22 गेंदों पर 24 बनाये लेकिन पारी की रफ्तार बढ़ाने से पहले आउट हो गये।

ऑस्ट्रेलिया के 117 रन पर छह विकेट गिरने के बाद डेविड ने डैनियल सैम्स के साथ मोर्चा संभाला और सातवें विकेट के लिये 34 गेंदों पर 68 रन की साझेदारी की। सैम्स 20 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों के साथ 28 रन बनाकर नाबाद रहे। हर्षल पटेल ने आखिरी ओवर में डेविड को आउट करते हुए केवल सात रन दिये और ऑस्ट्रेलिया को 200 रन के संभावित स्कोर तक पहुंचने से रोका।

### भारत ने शॉटगन विश्व चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण

ओसेजिक (क्रोएशिया), 25 सितंबर। शार्दुल विहान, शपथ भारद्वाज और आर्य वंश त्यागी की भारतीय तिकड़ी ने यहां आयोजित शॉटगन विश्व चैंपियनशिप की ट्रैप टीम जूनियर पुरुष प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया। भारतीय टीम ने शनिवार को स्वर्ण पदक मुकाबले में इटली को 6-4 से मात दी। भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में पहुंचने के लिये अमेरिका को शूटऑफ में 2-0 से हराया था जबकि इटली की टीम क्वालीफिकेशन राउंड में 206 पॉइंट के साथ पहले स्थान पर रही थी।

स्वर्ण पदक मुकाबले में भी इमैनुअल एज़ी, गियरमार्क़ बारलेता और एडोआर्डो एंतोनिओली की टीम ने 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन भारतीय टीम ने अगले तीन मुकाबले 13-12, 15-14 और 14-12 से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उल्लेखनीय है कि पांच शॉट के एक राउंड में बेहतर स्कोर वाली टीम को दो अंक दिये गये। भारतीय टीम के नायक आर्य वंश रहे जिन्होंने मैच के दौरान 25 में 24 शॉट सही लगाये। इसके अलावा शार्दुल ने 22 और शपथ ने 21 बार सही निशाना लगाया। इसी बीच, सबीरा हारिस, प्रीति रजक और आद्या त्रिपाठी की भारतीय टीम ने 172 अंकों के साथ प्रतियोगिता में सातवां स्थान प्राप्त किया।

### राष्ट्रीय खेल 2022 के बाद मेरे करियर ने उड़ान भरी : सानिया

नयी दिल्ली, 25 सितंबर। भारत की स्टार टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्ज़ा ने राष्ट्रीय खेल 2022 के शुरू होने से पहले रविवार को कहा कि राष्ट्रीय खेलों ने उनके करियर को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन दिया। सानिया ने कहा, "मैं सिर्फ 16 साल की थी जब 2002 में राष्ट्रीय खेल आयोजित हुए। मैंने अच्छा प्रदर्शन करके प्रसिद्धि हासिल की। यह मेरे अंतरराष्ट्रीय करियर के लिये सर्वश्रेष्ठ प्रोत्साहन साबित हुआ।" हैदराबाद से आने वाली सानिया ने इसके बाद अपने करियर में छह ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीते। सानिया इससे पहले दिल्ली की जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप से लेकर राष्ट्रीय खेलों और हैदराबाद के डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट तक भारत में भी खूब टेनिस खेल चुकी थीं। उनके इस स्वर्णिम सफर ने कई युवाओं को प्रेरित किया, जिनमें एक नाम अंकिता रैना का भी है। सानिया ने सात सालों बाद राष्ट्रीय खेलों के आयोजन पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "मैं आयोजकों की सफलता की कामना करती हूं और प्रतियोगियों को उनकी आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।" उन्होंने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, "यह अंतरराष्ट्रीय पर्दे पर आने से पहले खुद को परखने के लिये सही मंच है।" उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल अद्वितीय हैं क्योंकि यहां अनुभवी खिलाड़ियों और उभरते हुए सितारों का एक मिश्रण देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय खेलों में शीर्ष एथलीटों की उपस्थिति उभरती प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्त्रोत है।"

### रहाणे ने छींटाकशी करने पर जायसवाल को मैदान से बाहर जाने को कहा

कोयंबटूर, 25 सितंबर। पश्चिम क्षेत्र के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ दलीप ट्रॉफी फाइनल के पांचवें और अंतिम दिन रविवार को यहां अनुशासनहीनता दिखाने वाले अपने साथी यशस्वी जायसवाल को मैदान छोड़ने का आदेश देकर नई मिसाल पेश की। जायसवाल ने पश्चिम क्षेत्र की दूसरी पारी में दोहरा शतक जड़कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन रविवार को जब दक्षिण क्षेत्र 529 रन के विशाल लक्ष्य के सामने अपनी पारी आगे बढ़ा रहा था तब वह विवादों में फंस गए। इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने दक्षिण क्षेत्र के बल्लेबाज रवि तेजा पर छींटाकशी की जिसके बाद उनके कप्तान रहाणे ने उन्हें मैदान से बाहर जाने के लिए कहा। जायसवाल बल्लेबाज के करीब क्षेत्ररक्षण कर रहे थे और लगातार छींटाकशी करने के कारण रवि तेजा ने उनकी शिकायत भी की। जायसवाल को चेतावनी दी गई थी लेकिन पारी के 57वें ओवर में जब मैदानी अंपायर ने उनकी शिकायत की तो रहाणे ने उनसे बात की और उन्हें मैदान से बाहर जाने को कहा।

### पश्चिम क्षेत्र ने जीता दलीप ट्रॉफी खिताब

कोयंबटूर, 25 सितंबर। पश्चिम क्षेत्र ने यशस्वी जायसवाल (265) के दोहरे शतक और जयदेव उनडकट (छह विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण क्षेत्र को 294 रन से हराकर रविवार को दलीप ट्रॉफी खिताब जीत लिया। पश्चिम ने दक्षिण को 529 रन का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में दक्षिण 234 रन पर ऑलआउट हो गयी। टी रवि तेजा और रविश्रीनिवासन साई किशोर ने पांचवें दिन दक्षिण की पारी को 154/6 से आगे बढ़ाते हुए सराहनीय संघर्ष किया।

# उम्मीद है कि भारत और दुनिया में महिला क्रिकेट के विकास में योगदान करने में सफल रही हूं : झूलन

लंदन, 25 सितंबर। दो दशक लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर के बाद क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाली महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने रविवार को उम्मीद जतायी कि वह भारत और दुनिया में अगली पीढ़ी की खिलाड़ियों को इस 'खूबसूरत खेल' को खेलने के लिये प्रेरित करने में सफल रहीं हैं। झूलन (39 वर्ष) ने शनिवार को अपने करियर का समापन स्वप्निल तरीके से किया जिसमें भारतीय महिला टीम ने लार्ड्स पर तीसरे और अंतिम वनडे में इंग्लैंड को 16 रन से हराकर इंग्लैंड की सरजमीं पर पहली बार श्रृंखला क्लीन स्वीप की।

झूलन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किये विदाई संदेश में लिखा, "बतौर क्रिकेटर मैं हमेशा ईमानदार रही हूं और उम्मीद करती हूं कि मैं भारत और दुनिया में महिला क्रिकेट के विकास में योगदान करने में कामयाब रही हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं अगली पीढ़ी की महिलाओं को इस खूबसूरत खेल को खेलने के लिये प्रेरित करने में सफल रही हूं।"

उन्होंने लिखा, "जिस तरह से हर यात्रा का अंत होता है, 20 साल से ज्यादा वर्षों की मेरी क्रिकेट यात्रा भी आज मेरे क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा के साथ खत्म हो गयी। झूलन ने अपना क्रिकेट करियर 2002 में शुरू किया था और उन्होंने अपने करियर का अंत महिला क्रिकेट की सर्वाधिक विकेट चटकने वाली गेंदबाज के तौर पर किया।

*"जिम्पी-जिम्पी" पौधा, जिसका वैज्ञानिक नाम है "डैन्ड्रॉक्नाइड मोरॉइड्स।" डैन्ड्रॉक्नाइड शब्द प्राचीन यूनानी शब्दों, डैन्ड्रॉन, जिसका अर्थ है पेड़, एवं कैनाइड, जिसका अर्थ है "स्टिंगिंग नीडल" से लिया गया है। नर्म और हृदय के आकार की पत्तियों वाले इस पौधे को ऑस्ट्रेलिया का सबसे विषैला पौधा माना जाता है। इसकी पत्तियों पर हजारों छोटे-छोटे रोएं जैसे कांटे होते हैं जिनमें विष भरा होता है, अगर ये किसी को चुभ जाएं तो कई हफ्तों तक दर्द होता है। वनस्पति विज्ञानी मारियाना हर्ली, जिन्होंने तीन साल तक क्वीन्सलैंड के वर्षावनों में इस पौधे का अध्ययन किया, बताती हैं कि, इसका कांटा लगने से तेजाब से जलने और करंट लगने जैसा दर्द होता है। अध्ययन के दौरान हर्ली को कई बार कांटे चुभे, जबकि वे सुरक्षा के लिए दस्ताने पहनती थीं और मास्क लगाती थीं। एक बार तो उन्हें अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ा। ये पौधे ईस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में केप यॉर्क प्रायद्वीप से नॉर्दर्न -न्यू साउथवेल्स तक के वर्षावनों में मिलते हैं। ऑस्ट्रेलिया में स्टिंगिंग वृक्षों की 6 प्रजातियां मिलती हैं और इनमें जिम्पी-जिम्पी सर्वाधिक वीभत्स है। पूरे पेड़ पर छोटे-छोटे कांटे जैसे रोएँ होते हैं जो नुकीले और खोखले होते हैं और संपर्क में आने पर टूट जाते हैं, जिससे इनमें भरा विष व्यक्ति के ऊत्तकों में चला जाता है। इन कांटों को त्वचा से हटाना मुश्किल होता है और जब तक ये त्वचा पर रहते हैं विष छोड़ते रहते हैं। प्रभावित क्षेत्र में बहुत तेज दर्द होता है तथा पानी लगने या तापमान कम होने पर दर्द और बढ़ जाता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि, इनकी सूखी पत्तियों में भी विष होता है। सबसे बुरी बात यह है कि, जैसे बिल्ली अपना फर छोड़ती रहती है वैसे ही यह पौधा भी कांटे छोड़ता रहता है। पौधे के समीपवर्ती क्षेत्र में ये कांटे हवा के साथ श्वसन तंत्र में चले जाते हैं और सांस लेने में भारी परेशानी पैदा कर सकते हैं। हैरानी की बात है कि, यह पौधा कुछ जानवरों का भोजन भी है। एक रात्रिचर, लीफ इटिंग बीटल व कई अन्य कीड़े इसे खाते हैं। रैड लैग्ड पैडमैलन्स (छोटे स्तनपायी जीव) तो एक रात में ही पूरे पेड़ की पत्तियां चट कर सकते हैं।*

# भारत जोड़ो यात्रा बनाम मोहन भागवत का मुस्लिम प्रबुद्धजनों से संवाद

## मोहन भागवत की मुस्लिम बुद्धिजीवियों से मुलाकात को कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है

- **ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य और दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष कमाल फारुकी ने कहा कि, मोहन भागवत को ठीक से बताया नहीं गया है कि, किन संगठनों पर मुसलमान विश्वास करते हैं, उन्हें किन-किन लोगों से मिलना चाहिए।**
- **उन्होंने कहा कि, मोहन भागवत जिस तरह राह चलते लोगों से मिल रहे हैं, उससे लगता है कि, वे संवाद को लेकर गंभीर नहीं हैं।**

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले दिनों मुस्लिम बुद्धिजीवियों और कुछ मौलानाओं से मुलाकात की। इस संवाद को आर.एस.एस. की मुस्लिम विरोधी छवि को तोड़ने और मुसलमानों के एक तबके को अपने साथ जोड़ने की संघ की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। इन्हीं सब मुद्दों पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य और दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष कमाल फारूकी से सवाल-जवाब हुए।

मोहन भागवत के मुस्लिम बुद्धिजीवियों के साथ हुये संवाद के मामले में जब फारुकी से उनका पक्ष पूछा गया तो उन्होंने कहा कि, बातचीत और संवाद तो किसी भी समाज के लिए बहुत अच्छी बात है, यह होना चाहिए। युद्ध के दौर में भी संवाद कायम किया जाता है। इसलिए यह एक अच्छी पहल है। वैसे भी संवाद हमारी परंपरा रहा है। कोई भ्रम जैसी स्थिति हो या देश से जुड़े मुद्दे व समस्याएं हों तो उनका समाधान बातचीत से ही होता है। लेकिन यह संवाद किससे हो रहा है और जिससे हो रहा है उसकी क्या अहमियत है, यह भी बहुत मायने रखता है।

जहां तक पहली मुलाकात का ताल्लुक है तो वह बहुत अच्छे लोगों से हुई। इसमें ऐसे लोग शामिल थे जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में बेहतरीन काम किया है। उन्होंने हमेशा हिंदुस्तान के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इस मुलाकात में कुछ अच्छे मुद्दे भी उठाए गए जिन पर किसी को कोई आपत्ति नहीं हो सकती। इसके अलावा कुछ मौलवियों से भी भागवत मिले। सवाल यह पैदा होता है कि आप राह चलते किसी से मिलेंगे तो उसका कोई मतलब नहीं होता है। मोहन भागवत बहुत नफीस आदमी हैं। शायद, उनको सही तरह से नहीं बताया गया कि उन्हें किन-किन लोगों से मिलना चाहिए? किन संगठनों पर मुसलमान भरोसा करते हैं? इससे, जाहिर होता है कि आप संवाद को लेकर गंभीर नहीं हैं या फिर आपके सलाहकार कमजोर हैं।

जब उनसे पूछा गया कि, भागवत का यह संवाद ऐसे समय हुआ है जब कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा पर निकली है और इसका मकसद भी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बढ़ाना बताया गया है इस पर आपकी क्या राय है?

जवाब में उन्होंने कहा कि, हम तो समझते हैं कि, यह राहुल गांधी की कामयाबी है कि कम से कम मोहन भागवत को इस बात का एहसास हुआ कि, उन्हें संवाद करना चाहिए। अभी तक तो लग रहा था कि मुल्क में सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है और कहीं कोई समस्या ही नहीं है। बहरहाल, यह पहल अच्छी है लेकिन इस पहल को जारी रखना होगा। पहल करने का दिखावा नहीं होना चाहिए, अच्छा करते हुए नजर भी आना चाहिए।

यह कहना बहुत जल्दबाजी होगा। क्योंकि मुझे कभी-कभी ऐसा भी लगता है जो आर.एस.एस. का मुकाम पहले हुआ करता था, उसमें कमी आई है। मोहन भागवत ने पहल की है। हम उनका साथ देते हैं और उनको मुबारकबाद भी देते हैं। हम चाहते हैं कि यह प्रतीकात्मक न हो। अगर वाकई में हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई को साथ कर सामाजिक सौहार्द की जो एक अपनी संस्कृति है, उसको बनाए रखने के लिए पहल की गई तो अच्छी बात है। लेकिन अगर ऐसा नहीं है तो यह धोखा है। मुसलमानों के साथ धोखा है। वक्फ संपत्तियों के सर्वे एवं जांच आदि के सवाल पर उन्होंने कहा कि, वक्फ बोर्ड सेंट्रल वक्फ अधिनियम से संचालित होता है। वक्फ, बाकायदा मुसलमानों की शरीयत का एक अहम हिस्सा है क्योंकि वक्फ का मतलब यह होता है कि अगर मैंने कोई चीज वक्फ (दान) कर दी तो वह वक्फ की संपत्ति होती है। अगर सरकार की जमीन पर वक्फ कुछ करता है तो कान पकड़ लीजिए लेकिन यदि संपत्ति किसी ने दान दी है तो आपको क्या।

# नीतीश और लालू ने सोनिया गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की

## मुलाकात के बाद नीतीश ने कहा कि, विपक्षी एकता के मसले पर अभी आने वाले दिनों में सोनिया गांधी से और भी कई मुलाकातें होने वाली हैं

- **पिछले 5 सालों में तीनों दलों, कांग्रेस, जे.डी.यू. और आर.जे.डी. के बीच यह पहली आधिकारिक बैठक हुई। अगर यह बैठक किसी परिणाम तक पहुंचती है तो विपक्ष को एकजुट करने के 2024 के अभियान को भारी बढ़त हासिल हो सकती है।**
- **इसके बाद नीतीश समाजवादी पार्टी, वाई.एस.आर. कांग्रेस, पी.डी.पी. सहित अन्य दलों से भी बहुत जल्द बातचीत कर सकते हैं।**

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड सुप्रीमो नीतीश कुमार और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव सोनिया गांधी से मिलने के लिए दिल्ली स्थित उनके आवास पर पहुंचे हैं। विपक्ष की एकता की चर्चा के बीच नीतीश कुमार और लालू प्रसाद यादव और सोनिया गांधी के बीच यह पहली मुलाकात है। नेताओं के इस मुलाकात को 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले विपक्षी खेमे को एकजुट करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने सोनिया से बात की, हमारा विचार है देश में अनेक दलों को एकजुट करना और मिलकर प्रगति के लिए काम करना। उनके पार्टी अध्यक्ष का चुनाव है इसके बाद आगे की बात होगी। बैठक न केवल विपक्षी खेमे को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि कई अन्य कारणों से भी अहम है क्योंकि लालू प्रसाद यादव विपक्ष की एकता को मजबूत करने के लिए सोनिया गांधी से आश्वासन मांगेंगे। ए.एन.आई. की रिपोर्ट में कहा गया है कि लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार विभिन्न क्षेत्रीय दलों के नेताओं से संपर्क करने के लिए कांग्रेस प्रमुख की राय जान सकते हैं और उनकी हामी ले सकते हैं। पिछले पांच सालों में तीन दलों कांग्रेस, जदयू और राजद के प्रमुख के बीच यह पहली आधिकारिक बैठक है।

## आंध्र प्रदेश में क्लिनिक में भीषण आग

तिरुपति, 25 सितम्बर। आंध्र प्रदेश के तिरुपति के निकट भगत सिंह नगर में तीन मंजिले इमारत में रविवार को तड़के भीषण आग लग गई। इसकी चपेट में आने से एक डॉक्टर और उसके बेटे व बेटी की मौत हो गई। इसके अलावा दो अन्य झुलस गए। पुलिस ने बताया कि इमारत की पहली मंजिल में करीब साढ़े चार बजे आग लगी। इमारत के भूतल पर डॉक्टर का एक क्लिनिक भी है।तीनों मृतकों की पहचान हो गई है। इस घटना में डॉ रविशंकर रेड्डी और उनके बेटे सिद्धू (12) व बेटी कार्तिका (6) की जान गई है। तीनों को इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में ट्रांसफर भी किया गया, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। आग की चपेट में आने से तीनों ही काफी हद तक जल गए थे। ऐसे में उन्हें बचाया नहीं जा सका।

मौके पर पहुंचे दमकल ने डॉक्टर की पत्नी डॉक्टर अनंत लक्ष्मी और मां रामासुब्बम्मा को बचाया।

# यू.एन. में भारत की स्थाई सदस्यता की दावेदारी और मजबूत हुई

## रूस, यूक्रेन और अमेरिका सहित कई देशों ने भारत को स्थाई सदस्य बनाने का समर्थन किया

- **रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि, भारत और ब्राजील को यू.एन. में स्थाई सदस्य के रूप में जगह मिलनी चाहिए।**

न्यूयॉर्क, 25 सितम्बर। संयुक्त राष्ट्र महासभा में रूस ने फिर एक बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए भारत का समर्थन किया है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, "हम अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों के प्रतिनिधित्व के माध्यम से सुरक्षा परिषद को और अधिक लोकतांत्रिक बनाने की संभावना देखते हैं। विशेष रूप से भारत और ब्राजील को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में जगह मिलनी चाहिए।

इससे पहले 31 अन्य देशों के साथ भारत ने सुधारों पर एक संयुक्त बयान में कहा था कि स्थायी और गैर-स्थायी दोनों श्रेणियों में सुरक्षा परिषद का विस्तार होना चाहिए। साथ ही इसके काम करने के तरीकों में भी सुधार लाने की वकालत की गई थी।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थाई सदस्य बनाए जाने का समर्थन किया था। इस दौरान उन्होंने जापान और जर्मनी को भी स्थाई सदस्य बनाने की बात कही थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र में संबोधन के दौरान भी उन्होंने सुरक्षा परिषद में सुधार की बात दोहराई थी। बाइडन ने कहा कि सुरक्षा परिषद को और समावेशी बनाया जाए, ताकि यह आज की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर सके। वीटो को लेकर उन्होंने कहा कि यह सिर्फ विशेष अथवा विषम परिस्थितियों में ही होना चाहिए।

## भगत ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

सेनानियों से प्रेरणा लेकर, उनके आदर्शों पर चलते हुए उनके सपनों का भारत बनाना है और यही, उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि होती है। शहीदों के स्मारक, उनके नाम पर स्थानों और संस्थानों के नाम हमें कर्तव्य के लिए प्रेरणा देते हैं। अभी कुछ दिन पहले ही देश ने कर्तव्यपथ पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की मूर्ति की स्थापना के ज़रिये भी ऐसा ही एक प्रयास किया है और अब शहीद भगत सिंह के नाम से चंडीगढ़ एयरपोर्ट का नाम इस दिशा में एक और कदम है।

उन्होंने कहा मैं चाहूँगा, अमृत महोत्सव में हम जिस तरह स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़े विशेष अवसरों पर सेलिब्रेट कर रहे हैं उसी तरह 28 सितम्बर को भी हर युवा कुछ नया प्रयास अवश्य करे।

## पर्यवेक्षकों...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अलग ही नया समीकरण निकल कर सामने आएगा। इस पूरा घटनाक्रम के बाद में अब सारी नजरें दिल्ली पर टिक गई है जहां कि कांग्रेस आलाकमान विधायकों की राय जानने के बाद में फैसला करेगा कि आखिरकार राजस्थान के मामले में होना क्या है।

## जबरन धर्म...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

गंगाधर की आर्थिक दिक्कतों का पता चला, तो उसे पैसे का लालच दिया गया। गंगाधर के एक दोस्त अत्तावर रहमान उसे वित्तीय सहायता प्रदान करने के बहाने बेंगलुरु के बनशंकरी स्थित एक मस्जिद में ले गया जहां एक अन्य आरोपी अजीज साब से मिलवाया, जिसने उसे इस्लाम की शिक्षा दी। गंगाधर को ये आरोपी बेंगलुरु की कई मस्जिदों में भी ले गए और बाद में उसका खतना किया। पीड़ित की इच्छा के खिलाफ बीफ खाने से इनकार करने पर उसकी पिटाई भी की गयी।

उन्होंने बताया कि आरोपियों ने गंगाधर को धमकी दी कि अगर वह एक साल में तीन हिंदुओं का धर्मांतरण करने में विफल रहता है, तो उसके पास अवैध हथियार रखने के लिए उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी जायेगी।

# प्रदेश में रविवार को 68 नए करोना संक्रमित मिले

## जयपुर और जोधपुर में 12-12 नए मरीज सामने आए हैं

- **राज्य में लगातार रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर सात सौ से भी कम रह गए हैं।**
- **इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 682 रह गए हैं। राज्य में रविवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 25 सितम्बर । प्रदेश में रविवार को 68 नए करोना संक्रमित मिले हैं। वहीं 133 रोगी ठीक हुए हैं। राज्य में लगातार रिकवरी बढ़ने से एक्टिव केस घटकर सात सौ से भी कम रह गए हैं। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी और गिरावट आई है। इसके चलते रविवार को 16 जिलों में 68 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शनिवार को इनकी संख्या 111 रही थी। इधर आज राजधानी जयपुर और जोधपुर में 12-12 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा कोटा में 8, सिरोही में 6, पाली व चितौड़गढ़ में 5-5, उदयपुर में 4, सवाई माधोपुर, प्रतापगढ़, बूंदी, बीकानेर, बांसवाड़ा, अलवर व अजमेर में 2-2 तथा भरतपुर और जालोर में एक-एक नया संक्रमित मिला है। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में जांच के लिए 9868 सैम्पल लिए गए।

प्रदेश में रविवार को भी दोगुना के करीब रिकवरी हुई है। इस दौरान राज्य में 133 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 682 रह गए हैं। राज्य में रविवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक राज्य में इस बीमारी से 9639 लोगों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में रविवार को 10 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 2 नए मरीज दुर्गापुरा में पाए गए हैं। इसके अलावा चांदपोल, जगतपुरा, जोबनेर, मालवीय नगर, मानसरोवर, पुरानी बस्ती, सांगानेर और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है। इस बीच जिले में 31 मरीजों के रिकवर होने से 158 एक्टिव केस रह गए हैं।

# गुजरात में मुकाबला आप बनाम भाजपा हो चला है?

- **दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस सप्ताह की शुरुआत में गुजरात के वड़ोदरा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उस समय विचित्र स्थिति देखने को मिली, जब एक तरफ कुछ युवाओं का समूह मोदी-मोदी के नारे लगाता दिखा, जबकि दूसरी तरफ आप समर्थकों ने केजरीवाल-केजरीवाल के नारे लगाए।**

नई दिल्ली, 25 सितम्बर। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस सप्ताह की शुरुआत में गुजरात के वडोदरा हवाई अड्डे पर पहुंचने पर उस समय विचित्र स्थिति देखने को मिली, जब एक तरफ कुछ युवाओं का समूह मोदी-मोदी के नारे लगाता दिखा, जबकि आम आदमी पार्टी (आप) समर्थकों ने केजरीवाल-केजरीवाल के नारे लगाए। भाजपा शासित गुजरात में इस साल के अंत में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं।

केजरीवाल ने बाद में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, भाजपा के बारे में तो स्पष्ट है कि वे लोगों को लाकर मेरे खिलाफ नारे लगवाएं क्योंकि इस बार उन्हें बहुत नुकसान होने वाला है। दिलचस्प बात यह है कि जब राहुल गांधी आए तो उन्होंने उनके (राहुल) खिलाफ नारे नहीं लगाए। चुनाव नजदीक आने के बीच राजनीतिक पर्यवेक्षकों और जमीनी स्तर पर काम करने वाले सर्वेक्षणकर्ताओं का कहना है कि केजरीवाल गुजरात चुनाव को भाजपा बनाम आप के नैरेटिव में बदलने में कामयाब रहे हैं, क्योंकि प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस अधिक सक्रिय नजर नहीं आ रहा है।

हालांकि, उन्होंने इस बात पर संदेह जताया कि केजरीवाल और आप इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के दौरान इस विमर्श से चुनावी लाभ हासिल करने में कामयाब होंगे।

गुजरात में इस बात पर राजनीतिक विशेषज्ञ साफ टिप्पणी कर रहे हैं कि, आम आदमी पार्टी के आक्रामक चुनाव अभियान और कांग्रेस का अब तक अधिक सक्रिय नजर नहीं आना, केजरीवाल के लिए गुजरात चुनाव को भाजपा बनाम आप के विमर्श में बदलने में मददगार साबित हुआ है।

उन्होंने कहा कि आप भी वही रणनीति अपना रही है जो भाजपा चुनाव के दौरान अपनाती है, जिसके तहत प्रतिद्वंद्वियों से तकरार, पलटवार और आक्रामक चुनाव प्रचार अभियान, प्रवक्ताओं और सोशल मीडिया के जरिये मतदाताओं तक वांछित संदेश भेजना शामिल है। पिछले महीने, आप ने अपने चुनाव अभियान को गति देने के लिए 1,100 से अधिक सोशल मीडिया वॉरियर्स को नियुक्त किया।

चुनाव सर्वेक्षण एजेंसी सी-वोटर के संस्थापक यशवंत देशमुख ने कहा कि, एक तरफ जहां केजरीवाल कड़ी मेहनत कर रहे हैं और उनकी पार्टी गुजरात में आक्रामक रूप से प्रचार कर रही है, वहीं कांग्रेस की प्राथमिकता स्पष्ट नहीं है क्योंकि पार्टी अपनी भारत जोड़ो यात्रा में व्यस्त है।

देशमुख ने कहा कि वे इतनी बड़ी गतिविधि (यात्रा) में व्यस्त हैं और सबसे महत्वपूर्ण राज्य गुजरात से चूक रहे हैं, जहां वे 27 साल से सत्ता से बाहर हैं।

# गहलोत ने कहा - अगला सी.एम. वो ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

मीडिया में कुछ विधायकों के इस्तीफे की चर्चायें चल रही हैं, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष सी.पी.जोशी की ओर से इस बारे में कोई बयान सामने नहीं आया है।

वही कहने को तो संयम लोढ़ा की ओर से कहा है कि उनकी बात नहीं सुनी जाने पर सरकार गिर सकती है। वही मंत्री गोविंद मेघवाल ने भी उनकी बात का समर्थन किया है, लेकिन क्या विधायक सरकार गिराकर सवा साल से पहले ही चुनाव में जाने को तैयार हैं। यह बात महत्वपूर्ण होगी या फिर यह विधायक सिर्फ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास अपने नंबर बढवाने या आलाकमान पर दबाव बनाने के लिए ही बयानबाजी कर रहे हैं।

दरअसल मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर हो रही बैठक के बाहर बयान तो 102 विधायकों को लेकर दिए जा रहे हैं, लेकिन असल में धारीवाल के निवास पर आने वाले विधायकों की संख्या 50 के आसपास ही है। वहीं कुछ विधायक सीधे मुख्यमंत्री निवास पर विधायक दल की बैठक के लिए पहुंच गए हैं। हालांकि दबाव बनाने के लिए हो रही इस बैठक के चलते विधायक दल की बैठक में देरी हो रही है।

इस बीच विधायक दल की बैठक से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ऐसी बैठकों में एक लाइन का रिजोल्यूशन पास करते हैं कि जो हाईकमान तय करेगा, वही हमें मंजूर होगा। इधर पड़ोसी मंत्री राजेंद्र गुढ़ा शांति धारीवाल के बंगले के गेट से वापस लौट गए। उन्होंने कहा कि यहां 101 विधायक नहीं हैं। गुढ़ा ने कहा कि बहुमत के लिए 101 विधायक चाहिए, इसके बिना सरकार अल्पमत में होती है। यहां बैठक में 101 विधायक नहीं हैं, इसलिए मैं नहीं गया। विधायक वाजिब अली, खिलाड़ी लाल बैरवा और गिर्राज सिंह मलिंगा भी गुढ़ा के साथ हैं और बैठक में नहीं गए। वही 25 से 30 विधायक सीधे मुख्यमंत्री निवास पर विधायक दल की बैठक में पहुंच गए।

इस मुताबिक मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक लाइन का प्रस्ताव पढ़ सकते हैं कि फैसला कांग्रेस आलाकमान पर छोड़ा जाता है। इसका अनुमोदन पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा कर सकते हैं। इसी संकेत के रूप में मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने कहा कि अशोक गहलोत क्लास के मॉनिटर नहीं है, जिन्हें कि यूं ही बदलकर किसी को सी.एम. बना दें। बीजेपी ने अगर तोड़फोड़ कर दी तो क्या होगा ? सरकार बचाने में जिन 102 विधायकों मदद की थी, उनमें से ही सी.एम. बने। वहीं यह भी कहा कि आलाकमान जिस नाम को तय करेगा, वह हमें मंजूर होगा।

## कांग्रेस आलाकमान...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

कुछ विधायक जहां बस में सवार होकर आते हैं। वहीं कुछ मंत्री और विधायक अपनी गाड़ियों से पहुंचते हैं। सभी विधायकों को एक पन्ने में लिख कर दिया गया है कि मैं स्वेच्छा से इस्तीफा देता हूं।

अब देखना है कि इस पूरे घटनाक्रम के बाद, जिसमें कि कांग्रेस आलाकमान को बड़ी चुनौती राजस्थान से मिली है। अब इस चुनौती से किस तरह से कांग्रेस आलाकमान निपटता है।

हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बाद में ना तो प्रभारी महासचिव अजय माकन और ना ही मलिकार्जुन खड़गे का कोई बयान आया है। वही अशोक गहलोत की ओर से भी अभी इस मामले को लेकर कोई बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में यह लगता है कि यह पूरा मामला लंबा खिंच सकता है।

# ओमप्रकाश चौटाला की रैली...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

लेने का वादा किया लेकिन पूरा नहीं किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा, पिछले चुनावों के दौरान, वे (भाजपा) हमारे उम्मीदवारों को हराने की कोशिश कर रहे थे। केंद्र ने पिछड़े राज्य के लिए जो वादा किया था, उसे पूरा नहीं किया। बिहार में आज 7 पार्टियां एक साथ काम कर रही हैं। उनके पास 2024 का चुनाव जीतने का कोई मौका नहीं है।

नीतीश कुमार ने भाजपा से मुकाबला करने के लिए कांग्रेस और वाम दलों समेत सभी विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का यह मुख्य मोर्चा यह सुनिश्चित करेगा कि 2024 के आम चुनाव में भगवा पार्टी को बुरी तरह शिकस्त मिले। अगर सभी गैर-भाजपा दल एकजुट हो जाएं, तो वे देश को तबाह करने के लिए काम कर रहे लोगों से छुटकारा दिला सकते हैं।

बिहार सीएम ने कहा, मैं कांग्रेस समेत सभी दलों से एक साथ आने की अपील करता हूं, तभी 2024 के लोकसभा चुनाव में वह (भाजपा) बुरी तरह हारेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू और मुसलमानों के बीच कोई लड़ाई नहीं है और भाजपा अशांति पैदा करना चाहती है। कहा, मेरी बस एक ही इच्छा है कि हम राष्ट्रीय स्तर पर साथ आएं...हमें और दलों को अपने साथ लाने की आवश्यकता है।

रैली रविवार को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित हुई। अधिकांश नेता इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दिल्ली से पहुंचे। विशेष विमान से आने वाले नेता नजदीकी सिरसा हवाई अड्डे पर उतरें और यहां से करीब 20 मिनट की दूरी पर स्थित रैली स्थल पर पहुंचे।

हालांकि, शनिवार को लगातार बारिश से पार्टी के वरिष्ठ नेता चिंतित दिखे और उन्हें कार्यक्रम स्थल के पास से पानी बहाते देखा गया। हालांकि वे दावा कर रहे थे कि कार्यक्रम स्थल पानी से अप्रभावित रहेगा। पार्टी ने रविवार को भारी बारिश की स्थिति में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए कुछ अतिरिक्त इंतजाम किए।

आई.एन.डी. पार्टी के संस्थापक देवीलाल की जयंती मनाने के लिए हर साल सम्मान दिवस आयोजित करता है। जिन्हें भारतीय राजनीति के ताऊ के रूप में भी जाना जाता है। रैली में शामिल होने वालों में तेलंगाना के सी.एम. के चंद्रशेखर राव, राजस्थान के सांसद हनुमान बेनीवाल, मेघालय के राज्यपाल सतपाल मलिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह शामिल हो रहे हैं। डी.एम.के. सांसद कनिमोझी करुणानिधि और तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता। कार्यक्रम के लिए बीरेंद्र सिंह सहित हरियाणा के कुछ वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908